26 जनवरी 1950 को स्थापित/संस्थापक बाबूसिंह चौहान

चिंगारी

बिजनौर : सोमवार, 9 नवम्बर, 2026

अंक- 15 मूल्य दो रुपये पृष्ठ 12

उलेढा के पास सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

हीमपुर दीपा (चिंगारी)। आज दोपहर लगभग डेढ़ बजे हीमपुर दीपा और उलेढा के बीच स्थित पेट्रोल पम्प के पास एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक एक मोटरसाइकिल बिजनौर की तरफ से आ रही रोडवेज बस की चपेट में आ गई, जिस पर सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। हादसे का मंजर देखकर लोगों का कलेजा मुंह को आ गया। बाइक



बस के नीचे फंसी हुई थी। मृतकों में एक की शिनाख्त ग्राम सिकरौंधा निवासी गौरव पुत्र नेपाल सिंह उम्र 27 वर्ष के रूप में हुई। समाचार लिखे जाने तक दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। बस चालक व परिचालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिये बिजनौर भेज दिया।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर आग का गोला बनी

6 लोगों की जिंदा जलकर मौत

मुजफ्फरनगर (चिंगारी)। यूपी के मुजफ्फरनगर में दिवाली रात भीषण हादसा हुआ है। तितावी थाना क्षेत्र के जागाहेड़ी के निकट रविवार देर रात तेज रफ्तार से आ रही हुंडई ऑरा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। पलटते ही कार आग का गोला बन गई। आग इतनी विकराल थी कि किसी को निकलने का मौका नहीं मिला और कार में सवार महिला, एक बच्चे समेत सभी छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

बताया जाता है कि हुंडई ऑरा कार में सवार सभी छह लोग हरियाणा के जींद जिले के निवासी थे और जींद से हरिद्वार की ओर जा रहे थे। जागाहेड़ी के निकट अचानक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई और सड़क पर पलट गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। आसपास से गुजर रहे लोग भी आग के आगे बेबस बने रहे। राहगीरों की सूचना पर तितावी थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं।



पुलिस के पहुंचने तक सब कुछ खत्म

हादसे के बाद पुलिस के पहुंचने तक सब कुछ खत्म हो चुका था। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद कार में फंसे सभी छह लोगों के शवों को बाहर निकलवाया गया। आग इतनी भीषण थी कि सभी शव बुरी तरह जल चुके थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। एसपी देहात संजय महाडिक और सीओ फुगाना भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तितावी थाना प्रभारी जयबीर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार सवार सभी छह लोग हरियाणा के जींद के रहने वाले थे और हरिद्वार जा रहे थे। हादसे में छह लोगों की मौत हुई है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस भीषण हादसे ने एक ही परिवार या सफर पर निकले छह लोगों की जिंदगी छीन ली। जागाहेड़ी के निकट हुए इस दर्दनाक हादसे से क्षेत्र में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

दीप दान कर लौट रहे लोगों की ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से चार की मौत

चित्रकूट (एजेंसी/चिंगारी)। यूपी के चित्रकूट में रैपुरा थाना क्षेत्र के रामनगर कस्बा स्थित पावर हाउस के पास झांसी-मिर्जापुर नेशनल हाईवे पर आज तड़के ट्रैक्टर-ट्राली को जोड़ने वाला गुल्ला (हिच) अचानक टूट गया। इससे अनियंत्रित ट्राली हाईवे से नीचे उतरने के साथ ही पलट गई। हादसे में मासूम समेत चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 12 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। इनमें सात घायलों की हालत गंभीर होने पर सीएचसी रामनगर से जिला अस्पताल रैफर किया गया है। ट्रैक्टर सवार श्रद्धालु दीपदान में शामिल होने के बाद वापस प्रयागराज लौट रहे थे। मृतकों में तीन लोग मध्य प्रदेश के रीवा और एक मृतक प्रयागराज जिले का रहने वाला है। प्रयागराज जिले के खीरी थाना क्षेत्र के ऊंचा गांव से करीब दो दर्जन श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर दीपदान मेला में शामिल होने शनिवार को चित्रकूट आए थे। इसमें ऊंचा गांव वालों के कुछ रिश्तेदार मप्र के रीवा जिले के रहने वाले भी शामिल रहे। रविवार की देर रात सभी लोग दर्शन और दीपदान करने के बाद वापस प्रयागराज के लिए रवाना हुए। आज तड़के करीब ढाई बजे झांसी-मिर्जापुर नेशनल हाईवे में रामनगर कस्बा स्थित पावर हाउस के पास ट्रैक्टर-ट्राली को जोड़ने वाला गुल्ला अचानक टूट गया।

सभी जनपदवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

तुरंत आवश्यकता युवक की आकर्षक वेतन योग्यतानुसार।

गीजर ही गीजर

सिंघल इलेक्ट्रीक एजेन्सीज





हमारे यहां एलईडी बल्ब, वायर, पंखे, स्विच, शोकिट, गीजर, प्रेस, मिक्सी एवं सभी प्रकार के बिजली फिटिंग का सामान थोक मूल्य पर मिलता है।









सजावटी फैंसी लाइटें, लक्जरी झूमर, फैंसी वॉल लाइट्स, कोव लाइट, लाइट्स, लैम्प आदि की बेशुमार वैरायटियां उपलब्ध हैं।

नई बस्ती, निकट गुरुद्वारा, बिजनौर मो. 9897024836, 8800092476

टायर फटने से 15 फीट नीचे गिरी बस, 3 की मौत

लखनऊ (एजेंसी/चिंगारी)। आगरा एक्सप्रेस-वे के अंतिम छोर पर आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। राजस्थान से बिहार जा रही एक प्राइवेट बस का पहिया फट गया और वह अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए एलिवेटेड रोड से 15 फुट नीचे गिर गई। बस में 53 सवारियां थीं। अभी तक तीन यात्रियों की मौत हो चुकी है। बस में महिलाएं और छोटे बच्चे भी थे, जो चोटिल हुए हैं। मौके पर एसडीआरएफ, पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। पुलिस के अनुसार यह बस राजस्थान के रेवाड़ी से बिहार जा रही थी। सुबह सवा सात बजे के करीब आगरा एक्सप्रेस-वे के जीरो प्वाइंट के पास बस का अगला दाहिना पहिया फट गया। सूनी रोड पर रफ्तार में चल रही बस अनियंत्रित होकर एलिवेटेड रोड से नीचे गिर गई। स्थानीय लोगों के अनुसार बस में सवार सभी सवारियों को इस वजह से चोट आई है। कई गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि तीन की मौत हो चुकी है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

बैट्री इलेक्ट्रिक व्हीकल्स

मात्र 35999/- से शुरू



3 साल की गारंटी

(Battery, Motor, Controller और Chesis की भी) और साथ ही हर स्कूटी पे पाइये V.I.P. Company का 3000/- M.R.P. का Troly Bag मुफ्त और Helmet भी।



पता- पुलिस थाने के निकट, कालागढ़ रोड,
अफजलगढ़ (बिजनौर) मो. 6377372091

मीडियाकर्मियों ने आश्रम के दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया दीपावली का त्यौहार



नजीबाबाद (चिंगारी)। रिपोर्टर्स एसोसिएशन (आईरा) की ओर से दीपावली के अवसर पर मंडावली के मुस्सेपुर स्थित आर्य सुगंध संस्थान महर्षि दयानंद विद्यालय एवं दिव्यांग आश्रम में दिव्यांग बच्चों के साथ दीपावली का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर आईरा से जुड़े पत्रकारों ने आश्रम के बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें मिठाई, फल, आतिशबाजी (पटाखे) एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। पत्रकारों के साथ त्यौहार मनाकर दिव्यांग बच्चों के चेहरे खिल उठे तथा आश्रम का पूरा माहौल खुशियों से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में आश्रम की संचालिका कमलेश आर्य ने बच्चों द्वारा तैयार की गई सुंदर रंगोली तथा उनके द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित खिलौनों की प्रदर्शनी के बारे में पत्रकारों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए बताया कि दिव्यांग बच्चे अद्वितीय रचनात्मकता के धनी हैं। संचालिका कमलेश आर्य ने आईरा प्रेस एसोसिएशन की इस संवेदनशील पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से इन बच्चों का मनोबल बढ़ता है। साथ ही समाज में समरसता का संदेश जाता है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अफजाल अंसारी ने कहा कि आज दिव्यांग बच्चों के साथ आकर बहुत अच्छा लगा। आज वास्तव में हमने सच्ची खुशियां पाई हैं। दीपों का त्यौहार अपने दामन में खुशियां लेकर आता है। कार्यक्रम में आईरा जिलाध्यक्ष अफजाल अंसारी, डॉ. आफताब नोमानी, शहज़ाद मलिक, नरेंद्र सिंह, नईम सिद्दीकी, अब्दुल रहमान अल्वी, जीशान नजीबाबादी, शाकिर अली, सूरज कुमार, अनुज शर्मा, खिजर अहमद, शाहनवाज अहमद, साकिब जैदी, शहजाद नोमानी, अनिल सक्सेना आदि मौजूद रहे।

दीपावली पर रोशनी से जगमगाया शहर, पटाखों की आवाज से गूंज उठा आसमान



नजीबाबाद (चिंगारी)। नगर में रोशनी का पर्व दीपावली धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीपावली के मौके पर पूरा नगर जगमगा उठा। त्यौहार की खुशी में लोगों ने देर रात तक जमकर आतिशबाजी की। जिससे आसमान पटाखों की आवाज से गूंजता रहा। दीपावली के मौके पर लोगों ने घरों की साफ-सफाई कर विशेष रूप से सजावट की। घरों को दीयों व रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। दीवाली की पूजा के साथ सभी ने एक-दूसरे से मिलकर व मोबाइल के माध्यम से मैसेज भेजकर दीपावली की शुभकामनाएं दी। दीपावली के मौके पर दिन छुपते ही नगर दीयों, मोमबत्ती व इलैक्ट्रिक झालरों की रोशनी में जगमगा उठा। इस मौके पर लोगों ने पूजा के सामान, मिठाईयां, गिफ्ट पैकों की जमकर खरीदारी की। दीपावली के बाजारों में काफी भीड़ रही। इस बार दीपावली पर नगर के मुख्य बाजारों में ई-रिक्शाओं का जाम रोकने के लिए स्थानीय पुलिस ने कई दिन पहले से ही ई-रिक्शाओं का रूट डायवर्ड कर व्यवस्था बनाई। यह व्यवस्था पूरी तरह से सफल रही। मुख्य बाजारों चौक बाजार, कल्लूगंज, जगन्नाथ का चौराहा, कृष्णा का चौराहा, स्टेशन चैराहे पर पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात रहे, जिससे लोगों को त्यौहार के मौके पर जाम की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

लेडी हॉस्पिटल के गेट पर हादसे का खतरा, टूटी ग्रिल में फंसा सरकारी वाहन का पहिया

नजीबाबाद (चिंगारी)। स्टेशन रोड स्थित लेडी हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर नाले के ऊपर लगी लोहे की टूटी ग्रिल लंबे समय से हादसे का सबब बनी हुई है। एक सरकारी वाहन का पहिया भी इस जर्जर ग्रिल में फंस गया। इससे पहले कई बार महिला मरीजों को लेकर जा रहे ई-रिक्शा भी इसमें फंसकर पलट चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने अब तक सुध नहीं ली। हैरानी की बात यह है कि महिला अस्पताल का परिसर निजी चार पहिया वाहनों की पार्किंग बनकर रह गया है। अस्पताल में गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं व नवजात शिशुओं का लगातार आवागमन रहता है। ऐसे में टूटी ग्रिल व वाहनों का जमावड़ा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग व नगरपालिका प्रशासन ने समस्या का समाधान नहीं कराया। लोगों ने मांग की है कि तत्काल टूटी ग्रिल की मरम्मत कराई जाए, अस्पताल परिसर से निजी वाहनों की पार्किंग हटाई जाए और लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। सवाल है कि आखिर प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रहा है?

सैफी वेलफेयर सोसायटी ने वार्षिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया



नजीबाबाद (चिंगारी)। सैफी वेलफेयर सोसाइटी की मासिक बैठक फुरकान सैफी के निवास पर खालिद सैफी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें सैफी समाज में शैक्षिक जागरूकता बढ़ाए जाने हेतु पिछले बीस वर्षों से आयोजित कार्यक्रम को इस वर्ष भी करने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी देते हुए सोसाइटी के प्रवक्ता दानिश सैफी ने बताया कि सैफी वेलफेयर सोसाइटी इस कार्यक्रम में हर वर्ष सैफी समाज के उन छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन देती है जो शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। सोसाइटी इस वर्ष भी जल्द ये कार्यक्रम आयोजित करेगी, लिहाज़ा हाईस्कूल, इंटर, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन के ऐसे छात्र छात्राएं जिन्होंने 65 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वह शीघ्र अपनी मार्कशीट कार्यालय पर जमा कराने का कष्ट करे। मीटिंग में अख्तर सैफी, युनूस सैफी, आरिफ सैफी, अब्दुल्ला गुलज़ार सैफी, अशरफ सैफी, याकूब सैफी व मास्टर अय्यूब सैफी आदि उपस्थित रहे।

व्यापारी नेता कपिल सर्राफ ने आयोजित किया दीपावली मिलन कार्यक्रम

नजीबाबाद (चिंगारी)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने अपने किरतपुर मार्ग स्थित गंगा फार्म हाउस पर दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसमें नगर के बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, समाज सेवियों, राजनीतिक संगठनों से जुड़े सम्मानित लोगों ने शिरकत कर दीपावली की बधाई दी। जिसमें नगर की गंगा जमुनी संस्कृति मजबूत करने का सकंल्प लिया गया। कपिल सर्राफ के इस कार्यक्रम की सभी ने सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से आपसी सौहार्द, भाईचारा व एकता को बल मिलता है। कार्यक्रम में शिरकत करने वाले सभी लोगों का व्यापारी नेता कपिल सर्राफ व उनके बेटे हर्षित सर्राफ ने स्वागत किया। कपिल सर्राफ ने अपने छोटे से बुलावे पर पहुंचे नगर के सभी सम्मानित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे नगर की गंगा जमुनी संस्कृति की दूर दूर तक मिसाल है। यहां ऐसे ही प्रेम के साथ मिल जुल कर हिंदू-मुस्लिम लोग त्यौहार मनाते है। इस अवसर पर चेयरमैन इंजीनियर मुअज्जम, चैधरी कुलवीर सिंह, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कसीम एडवोकेट, आईरा के जिलाध्यक्ष अफजाल अंसारी, निधि शर्मा, नौशाद अख्तर सैफी, आसिफ अली मुत्तकी, सपा नेता महमूद कुरैशी भोलू, नईम मकरानी, अनवर खान मंसूब, डॉ. आफताब नोमानी, शहबाज खान, मुकेश सिन्हा, इकबाल हिंदुस्तानी, मनोज शर्मा, मोनू टाटा, शेर अली, अब्दुल रहमान अल्वी, मुकीम कुरैशी, जुनैद अंसारी, नौशाद मुल्तानी, खिजर अहमद, जीशान नजीबाबादी, नईम सिद्दीकी, शाकिर अली, गुलजार एडवोकेट, सभासद मौ. अच्छन राईन, वसीम अहमद एडवोकेट, इरफान कुरैशी, रईस कुरैशी, शेख समीर अहमद मिंटू आदि मौजूद रहे।

ATHER

असली इलेक्ट्रिक एथर इलेक्ट्रिक/ अब धामपुर में।

ATHER EXPERIENCE CENTER, DHAMPUR

Address:- Indra Nagar Colony Near Ayushman Hospital Dhampur Bijnor - 246761

Mob. 9240083181

सभी को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं



ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत, गांव में शोक (पेज 6)

धूमधाम से मनाया दीपों का त्यौहार, आतिशबाजी हुई जोरदार



बिजनौर में रंगोली बनाती एक बच्ची।

बिजनौर (चिंगारी)। रविवार को दीपों का पर्व दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा शहर रंग-बिरंगी झालरों, दीपों और मोमबत्तियों की रोशनी से जगमगा उठा। देर रात तक हुई आतिशबाजी से आसमान गूंज उठा।

सुबह से ही घरों और प्रतिष्ठानों में सफाई तथा सजावट का सिलसिला जारी रहा। लोगों ने अपने घरों को आकर्षक झालरों, फूल-मालाओं और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाकर पर्व की खुशियां मनाईं। शाम को शुभ मुहूर्त के अनुसार लक्ष्मी-गणेश की पूजा की गई। उसके बाद आतिशबाजी का सिलसिला शुरू हुआ जो रात को एक बजे तक अनवरत जारी रहा।

दीपावली को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं और बच्चियों ने घर के आंगन और मुख्य द्वार पर आकर्षक रंगोलियां बनाईं। वहीं, लोगों ने मिठाइयां व उपहार भेंट कर खुशियां साझा कीं। बाजारों में भी त्योहार की रौनक दिखाई दी और घरों में मेहमानों के आने-जाने का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा।

शाम ढलते ही दीपावली की रौनक और बढ़ गई। विधि-विधान के साथ भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद घरों के मुख्य द्वार, छतों और आंगनों में दीप जलाए गए। चारों ओर दीपों की जगमगाहट ने शहर को रोशनी से सराबोर कर दिया। इसके बाद जमकर आतिशबाजी हुई। कुल मिलाकर दीपावली का त्योहार शहर में आपसी प्रेम, भाईचारे, उल्लास और सौहार्द के वातावरण में मनाया गया।



दीपावली पर फुलझड़ी छोड़ते बच्चे।

रिकॉर्ड आतिशबाजी हुई

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दीपावली पर ग्रीन पटाखे चलाने के आदेश के बावजूद दीपावली पर परम्परागत आतिशबाजी की गई। पिछले कई वर्षों की तुलना में इस बार अधिक आतिशबाजी हुई। देर रात तक पटाखों की आवाज गूंजती रही। स्काई बम से आसमान में रंग-बिरंगी छटा बिखर गई। हालांकि प्रदूषण भी खूब हुआ। आसमान में धुंध छा गई।

पूजा के समय बिजली गायब रही

कल शाम श्रद्धालुओं ने जैसे ही पूजा शुरू की, नई बस्ती क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद हो गई। काफी देर बाद आपूर्ति शुरू हुई।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

बिजनौर (चिंगारी)। यहां झालू बस स्टैंड के पास स्थित सेबी इलेक्ट्रॉनिक एंटरप्राइजेज की दुकान में कल शाम शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। दुकान के मालिक अंकित, निवासी ट्यूबवैल कॉलोनी बिजनौर शाम करीब 7:30 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। इसके बाद दुकान में अचानक आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। हालांकि तब तक आग से दुकान में रखा लाखों रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। वहीं दूसरी ओर बाबा प्लाजा में पटाखे फोड़ने के दौरान ट्रांसफार्मर में आग लग गई। ट्रांसफार्मर में आग लगने से आसपास के दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई।



आग बुझाने का प्रयास करते हुए फायर ब्रिगेड

दो नाबालिगों को साथ ले जाने का प्रयास

मौके पर पकड़े गये दो आरोपी

हीमपुर दीपा (चिंगारी)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में तीन युवकों ने दो नाबालिग युवतियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। पीड़ित पिता ने थाने में तहरीर देकर बताया कि रविवार की दोपहर उनकी 16 वर्षीय पुत्री और उनके भाई की पुत्री घर के बाहर मौजूद थीं। इसी दौरान सौरभ पुत्र टीकम सिंह, विशाल पुत्र सुरेश शर्मा अपने एक अन्य साथी के साथ उनके घर के बाहर पहुंचे। ये तीनों घर के बाहर खड़ी दोनों बहनों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के लिए बुलाने लगे। पास ही खड़े गांव के कुछ लड़कों ने जब यह देखा, उन्होंने तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। जब आरोपियों को रोकने का प्रयास किया तो वे गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भागने लगे। शोर-शराबा होने पर ग्रामीणों ने पीछा करके दो आरोपियों को दबोच लिया, जबकि उनका तीसरा साथी भाग निकला। ग्रामीणों ने मौके से आरोपियों की एक बुलेट मोटरसाइकिल को भी अपने कब्जे में ले लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि ये तीनों युवक पिछले कुछ दिनों से लगातार गांव में संदिग्ध रूप से चक्कर लगा रहे थे। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को सूचित किया और पकड़े गए दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया है।



भली लगे या बुरी...

अर्थव्यवस्था को लेकर विरोधाभास

पिछले दिनों दिल्ली में जंतर-मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन ने एक जटिल विरोधाभास की ओर भी ध्यान खींचा। वह है-तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उत्पादन और अरबपतियों की संख्या के साथ ही पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं की बढ़ती फौज और विषमता। दुनिया में चल रहे युद्धों, महंगाई, निजी क्षेत्र की निवेश में कोताही और रोजगार के कम होते अवसरों के बीच 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी दर ने इस विरोधाभास को और भी पुख्ता किया है। नीट पेपर लीक के कारण इस साल छात्रों का विरोध-प्रदर्शन शुरु हुआ, लेकिन इसने बाकी छात्रों को भी कमजोर, भ्रष्ट शिक्षा-व्यवस्था और सीमित रोजगार अवसरों के प्रति अपनी निराशा जाहिर करने का मंच दे दिया। इस समय देश में 15 से 29 साल की उम्र के लाखों युवा या तो बेरोजगार हैं या अपनी योग्यता से कमतर नौकरी कर रहे हैं या कम वेतन वाली नौकरियों में फंसे हुए हैं। भारत में तेजी से बढ़ती आबादी बोझ बनती जा रही है। यह एक सियासी बोझ है। विडंबना यह है कि बुनियादी ढांचे की कमियों को ठीक करने के बजाय, सत्ता प्रतिष्ठान कथित सांस्कृतिक और गैर आर्थिक सवालों को ही तेजी से बढ़ाने में लगे हैं। लगभग 10 राज्यों ने पहले ही मुफ्त राशि हस्तांतरण के लिए एक नई श्रेणी जोड़ी है- पढ़े-लिखे बेरोजगार युवा। यह 'बिना शर्त नकद हस्तांतरण (यूसीटीज)' के अलावा है, जो अब आम चलन सा बन गया है। संविधान के 'नीति-निदेशक सिद्धांतों' में बताई गई बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराने में विफल सरकारों के पास गरीबी दूर करने, लोगों की बुनियादी आमदनी को सहारा देने और जरूरी खपत को बनाए रखने के लिए 'यूसीटीज' ही एकमात्र आधार बचे हैं। इनमें से ज्यादातर महिलाओं को नकदी हस्तांतरण पर केन्द्रित हैं, लेकिन पैसे कैसे खर्च किए जाएं, इस पर कोई रोक-टोक नहीं होती। खर्च के नियम बनते भी हैं तो प्रायः महिलाओं की उनमें रुचि नहीं होती या वे भ्रष्टाचार, खानापूरी और प्रचार आदि तक अधिक सीमित रहते हैं। लघु उद्योगों की चर्चा भले ही जोर-शोर से होती हो, आज भी अर्थव्यवस्था में उनकी सहभागिता औसत ही है।

उत्तराखण्ड : 26 साल का सफ़र



▶▶राहुल सिंह शेखावत

उत्तराखंड ने अपनी स्थापना के बाद 26 साल का सफर पूरा कर लिया है। उत्तर प्रदेश से अलग राज्य की मांग के पीछे दूरस्थ क्षेत्रों में स्थानीय जरूरतों के हिसाब से विकास और प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने की सोच थी। दुर्भाग्यवश राज्य के आगाज के आगाज के साथ राजनीतिक अस्थिरता ने भी जन्म ले लिया। जिसकी भाजपा के नेतृत्व में 14 महीने के पहली अंतरिम सरकार में हुई दो मुख्यमंत्रियों की ताजपोशी तस्दीक करती है।

आपको बता दें कि तत्कालीन उत्तर प्रदेश से अलग राज्य की मांग को लेकर 1994 में आंदोलन हुए। उस दौरान पुलिस ने खटीमा, मसूरी, नैनीताल और देहरादून शहर में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और कई स्थानों पर लाठीचार्ज किए। गांधी जयंती पर मुजफ्फरनगर तिराहे पर पुलिसिया हैवानियत की नई इबारत लिखी गई। तब न सिर्फ गोलियां चलीं, बल्कि औरतों ने बलात्कार तक झेला। समूचे राज्य आंदोलन में 42 शहादतें हुईं।

आखिरकार 9 नवम्बर 2000 को हिंदुस्तान के नक्शे पर उत्तराखण्ड एक नये राज्य के तौर पर उभरा। अतीत इस बात का गवाह है कि बीते 26 सालों में 12 बार सरकारों के शपथ ग्रहण हुए हैं। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के 10 लोग मुख्यमंत्री बने। इस कड़ी में पुष्कर सिंह धामी सूबे की बागडोर संभाल रहे हैं, जिनके नेतृत्व में राज्य में पहली बार सरकार रिपीट हुई। वरना चुनाव दर चुनाव में सरकार बदलने का सिलसिला रहा है।

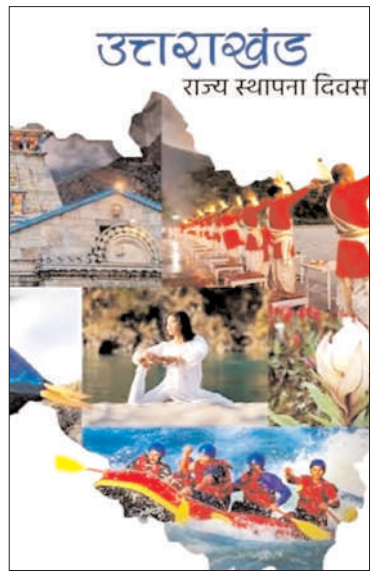
बतौर मुख्यमंत्री कांग्रेस के स्वर्गीय नारायणदत्त तिवारी ही पांच साल का कार्यकाल पूरा करने में सफल हुए। अगर कुछ अप्रत्याशित नहीं हुआ तो मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का नाम इस फेहरिस्त में जुड़ जाएगा। गौरतलब है कि राज्य गठन के वक्त स्वर्गीय नित्यानंद स्वामी भाजपा की अंतरिम सरकार की बागडोर संभालने वाले इतिहास पुरूष बने। उन्हें बेदखल कर 4 महीने सत्ता संभालने वाले भगत सिंह कोश्यारी को जनता ने पहले आम चुनाव में नकार दिया और कांग्रेस को बहुमत मिला। पहली निर्वाचित सरकार के मुखिया बने एनडी तिवारी ने उत्तराखंड में आधारभूत ढांचे और औद्योगिक विकास की बुनियाद रखी।

दूसरी विधानसभा के कार्यकाल में भाजपा के रिटायर्ड मेजर जनरल भुवनचंद्र खण्डूरी ने उस सिलसिले को आगे बढ़ाया। लेकिन उन्हें कड़क मिजाजी से उभरे विधायकों के असंतोष और 2009 के लोकसभा चुनावों में हार का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा, जिसके चलते रमेश पोखरियाल निशंक ने उन्हें रिप्लेस किया। उन्हें सिटरजिया भूमि मामले में घिरने और विद्युत परियोजना आबंटन में कथित भ्रष्टाचार के आरोप चस्पां होने पर आम चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। तत्कालीन 'अन्ना आंदोलन' की हवा के बीच भाजपा हाईकमान ने खंडूरी पर दुबारा दांव लगाया।

तीसरी विधानसभा के कार्यकाल में विजय बहुगुणा के नेतृत्व में कांग्रेस की गठबंधन सरकार गठित हुई। जिन्होंने गैरसैंण में 'ट्रांजिट एसेंबली' का शिलान्यास करके एक नया इतिहास बनाने की अधूरी कोशिश की। लेकिन 'केदारनाथ आपदा' से निपटने में नाकामी उनके हटने का कारण बना। उनके बाद मुख्यमंत्री बने हरीश रावत ने इच्छा शक्ति दिखाते हुए आपदा के खौफ से उबारने में बड़ी भूमिका निभाई।

हरीश रावत ने गैरसैंण में टैंट तंबूओं में विधानसभा सत्र आयोजित करके उत्तराखंड में एक नई इबारत लिख डाली। लेकिन कथित 'एकला चलो' नीति के खिलाफ बीजेपी के संरक्षण में बहुगुणा खेमे के विधायकों ने सरकार गिराई और राष्ट्रपति शासन लगा। रावत सरकार सुप्रीम कोर्ट की दखल से तो बहाल हुई, लेकिन आम चुनावों में बेदखल हो गयी।

भाजपा को 'मोदी युग' में हुए चौथी विधानसभा के चुनावों में प्रचंडतम बहुमत मिला। त्रिवेंद्र सिंह रावत को सूबे की बागडोर सौंपी गई थी। उनके कार्यकाल में गैरसैंण को 'ग्रीष्मकालीन राजधानी' का दर्जा दिया। बेशक त्रिवेंद्र के कार्यकाल में भ्रष्टाचार और अराजकता के खिलाफ सख्ती दिखी। लेकिन भाजपा हाईकमान ने कथित संवादहीनता के चलते पनपे असंतोष और कतिपय विवादास्पद फैसलों की छाया की वजह से उन्हें आनन-फानन में हटा दिया।



इस कड़ी में तत्कालीन सांसद तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया और महज 4 महीने बाद चलता कर दिया गया। वह शायद ही इस पहेली का उत्तर ढूंढ पाएं हो कि आलाकमान ने उनके साथ मजाक किया या उपकार। उन्हें बाद में हटाकर राज्य में पांचवें आम चुनावों से ठीक पहले युवा विधायक पुष्कर सिंह धामी के सिर पर ताज सजाया गया। भाजपा को अप्रत्याशित रुप से लगातार दूसरी बार बहुमत मिला।

उत्तराखंड की पांचवीं विधानसभा चुनाव में पुष्कर खुद चुनाव हार गए, लेकिन मोदी का उन पर भरोसा कायम रहा। धामी सरकार ने समान आचार संहिता कानून (UCC) बनाया। भाजपा के नेतृत्व वाली अन्य राज्यों की सरकारें इसे अपना रही हैं। इस कड़ी में कथित जबरन धर्मांतरण, लव जेहाद के खिलाफ कानून बनाए हैं। मदरसा व्यवस्था के खात्मे और कथित अवैध मजारों के ध्वस्तीकरण से साफ है कि धार्मिक या फिर कहें 'सांप्रदायिक ध्रुवीकरण' धामी सरकार की प्राथमिकता में है। हालांकि, उनके कार्यकाल में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 30 फीसदी क्षैतिज आरक्षण और राज्य आंदोलनकारियों के लिए 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण, पेपर लीक और नकल के खिलाफ कानून भी बने हैं। हालांकि इसके बावजूद पिछले साल एक राज्य स्तरीय परीक्षा में पेपर लीक हुआ। छात्र आंदोलन के दबाव में उसे कैंसिल करके सीबीआई जांच की संस्तुति की गई।

उत्तराखंड के अर्थिक सर्वेक्षण (2025-26) के मुताबिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3,81,889 करोड़ रुपये पहुंच गया। राज्य की आर्थिक विकास दर करीब 7.83 फीसदी है। उत्तर प्रदेश से अलग होने पर सूबे की प्रति व्यक्ति आय करीब 15,285 रू. थी, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में छलांग मारते हुए 2 लाख 73 हजार 921 रु. अनुमानित है। जो कि राष्ट्रीय औसत से कमोबेश दो लाख रुपए अधिक है। इस कड़ी में राज्य गठन के वक्त रहे सालाना बजट का आकार 4505.75 करोड़ से बढ़ते हुए मौजूदा वित्तीय वर्ष में 1,19,547.39 करोड़ (अनुपूरक सहित) तक पहुंच गया।

इसमें कोई दो राय नहीं कि मूलभूत सुविधाओं में भी इजाफा हुआ। स्कूल-विश्वविद्यालय और अस्पतालों की संख्या में वृद्धि हुई और एम्स और आईआईएम सरीखे संस्थान स्थापित हुए। बेशक चारधाम ऑल वेदर रोड और ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना से उम्मीदों के नये पंख लगे हैं। लेकिन बेरोजगारी की समस्या का समाधान नज़र नहीं आ रहा। ऐसी कोई सरकार नहीं जिस पर भ्रष्टाचार का ग्रहण न लगा हो।

राज्य गठन के 26 साल बाद भी समुचित सुविधाओं के अभाव में पहाड़ से पलायन का सिलसिला नहीं थम रहा। अल्मोड़ा और पौड़ी जिलों के आंकड़े तो डराने वाले हैं। जहां, उत्तर प्रदेश के दौर में पहाड़ से लोग महानगरों का रूख करते थे। वहीं, उत्तराखंड में देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंहनगर और नैनीताल के मैदानी इलाकों में बसने को तरजीह दे रहे हैं, जिससे पहाड़ वीरान हो रहे और तराई-मैदान के भूभाग पर बेतहाशा दबाव बढ़ रहा है। साल दर साल कृषि भूमि का क्षेत्रफल घटता जा रहा है।

तत्कालीन यूपी के पहाड़ी इलाकों में भौगोलिक परिस्थितियों, विकास और प्रशासनिक उपेक्षा से छुटकारा पाने को ही एक अलग पर्वतीय राज्य की मांग बुलंद हुई थी। लेकिन पहाड़ी नेता सुविधाओं के लिए चुनाव लड़ने के लिए मैदान में सीटें तलाश रहे हैं। अगर अपवाद छोड़ दें तो कमोबेश हर सरकार के कार्यकाल में उत्तराखंड में अफसरशाही नजर आई।

दरअसल, पर्वतीय राज्य की मांग थी, लेकिन उसमें भविष्य की व्यवहारिक जरूरतों के मद्देनजर मैदानी भू-भाग भी शामिल किया गया। पहाड़ बनाम मैदान के वोट गणित में 'स्थायी राजधानी' का मुद्दा उलझता गया। राज्य की रजत जयंती के अवसर पर आहूत हुए विधानसभा के 'विशेष सत्र' के दौरान क्षेत्रीय हितों के लिए विधायकों में टकराव ने उसकी फिर पुष्टि कर दी। बेशक, उत्तराखंड को एक नये राज्य के स्वाभाविक फायदे लगातार मिले हैं।

लेकिन समग्र और संतुलित विकास का ऐसा मॉडल विकसित नहीं हो पाया। सियासी महत्वाकांक्षा आम जनमानस की उम्मीदों पर भारी पड़ी हैं। अंकिता भंडारी हत्याकांड, चर्चित जेनी प्रकरण के जिन्न, मंत्री रेखा आर्य पर खुद उनके पति के कथित भ्रष्टाचार के आरोप की गूंज के बीच एक बार फिर राज्य चुनाव के मुहाने पर है।

(लेखक वरिष्ठ टेलीविजन पत्रकार हैं)

धूमधाम से मनाया दीपावली का त्यौहार

नांगल सोती (चिंगारी)। दीपावली का पर्व श्रद्धा, उत्साह, उमंग और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी की गई, जिससे आसमान रंगीन होता नजर आया।

लोग कई दिनों से दीपावली की तैयारियों में जुटे हुए थे। श्रद्धालुओं ने विधि-विधानपूर्वक तथा परम्परा के अनुरूप मां महालक्ष्मी, भगवान विष्णु, भगवान गणेश, कुबेर, मां सरस्वती और इन्द्रदेव का पूजन-अर्चन किया। गांवों में एक दीया पड़ौसी के घर पर भी जलाने की परम्परा है। गांव में आतिशबाजी की दुकानें राजा भरत सिंह इंटर कॉलेज के सामने लगाई गई थीं। आतिशबाजी विक्रेताओं राहुल कश्यप, राधेश्याम कश्यप, तरुण जोशी, शोहित प्रजापति, हर्ष जोशी आदि ने बताया कि अच्छी बिक्री हुई है।

गोवर्धन पूजा को लेकर असमंजस बरकरार

गोवर्धन पूजा कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को की जाती है। प्रतिपदा तिथि की शुरुआत आज दोपहर 12:32 बजे से हो चुकी है और इसका समापन कल अपराहन 2 बजे होगा। क्षेत्र में काफी श्रद्धालु आज शाम ही गोवर्धन पूजा करने की तैयारियां कर रहे हैं। उनका कहना है कि गोवर्धन पूजा शाम को की जाती है और प्रतिपदा तिथि दोपहर को आ चुकी है, इसलिये यह पूजा आज ही करना श्रेष्ठ है, जबकि कुछ श्रद्धालुओं ने बताया है



कि वे गोवर्धन पूजा कल करेंगे। उनका कहना है कि प्रतिपदा की उदया तिथि कल है। देश के अधिकांश बड़े ज्योतिषियों ने भी गोर्वधन पूजा 10 नवंबर को करना ही श्रेष्ठ बताया है। इसलिये वे कल गोवर्धन पूजा करेंगे।

गंगा स्नान किया

आज सैकड़ों श्रद्धालुओं ने स्थानीय गंगा घाट पर पहुंचकर गंगा स्नान भी किया। अमावस्या तिथि कल पूर्वाहन 11:27 बजे से शुरू हुई थी तथा आज दोपहर 12:31 बजे इसका समापन हुआ है। वैसे तो दीपावली पूजन कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को ही होता है, मगर कल सुबह के समय अमावस्या तिथि नहीं थी, इसलिये अमावस्या का स्नान श्रद्धालुओं ने आज ही किया।



पूजा अर्चना करती रेहड़ पुलिस।

उत्साहपूर्वक मनाया गया दीपों का पर्व

कासमपुर गढ़ी (चिंगारी)। रंगों का त्यौहार दीपावली क्षेत्र में परंपरागत ढंग से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिन भर लोग जहां आतिशबाजी वगैरा की खरीदारी करने के साथ-साथ आपस में एक-दूसरे को उपहार भेंट कर बधाइयां देते दिखाई दिए, वहीं दिन छिपते ही इलाका चारों ओर रोशनी से जगमगा उठा। श्रद्धालुओं ने घरों में जगमगाते दीपों के बीच लक्ष्मी व गणेश की पूजा अर्चना कर उन्हें भोग लगाते हुए सुख-समृद्धि की कामना की और फिर आतिशबाजी से वातावरण गूंज उठा। बाजारों में रौनक रही। सुरक्षा को लेकर पुलिस टीम भी एक्टिव मोड में नजर आई। दीपावली पर पुलिसकर्मियों ने भी पूजा-अर्चना भी की। थाना रेहड़ के प्रभारी निरीक्षण राजीव कुमार वर्मा ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर पैनी नजर रखते हुए सहयोगियों संग दीपावली मनाते हुए अपनी जिम्मेदारियों का पूर्णतया: निर्वहन करने का संकल्प दोहराया।

'राम आयेंगे' रंगोली बनाई



'राम आयेंगे' शीर्षक के साथ रंगोली बनातीं सलोनी, उमंग एवं सृष्टि

नांगल सोती (चिंगारी)। दीपावली पर जहां घरों को इलेक्ट्रिक झालरों से सजाया जाता है, वहीं घर की बेटियां, बहुएं अपने हाथों से आकर्षक रंगोली बनाकर भी घरों को सजाती हैं। नांगल निवासी तथा सहकारी समिति (बी-पैक्स) नांगल जीतपुर खानपुर के सभापति गार्विन चौधरी के परिवार की बेटी, महिलाओं सलोनी, उमंग, सृष्टि ने भी 'राम आयेंगे' शीर्षक के साथ एक मनमोहक रंगोली बनाकर दीपावली की सजावट को चार चांद लगाये।



बरकातपुर शुगर मिल ने फिर भुगतान दिया किसानों की दिवाली की खुशियों को दूना किया

नांगल सोती (चिंगारी)। उत्तम शुगर मिल्स बरकातपुर ने तीन दिन बाद दो दिन का गन्ना मूल्य भुगतान और कर दिया है। इससे किसानों की दीपावली की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। मिल ने 5 नवंबर तक खरीदे गये गन्ने का पिछले पेराई सत्र के एसएपी की दर से भुगतान कर दिया है।

मिल संयुक्त अध्यक्ष नरपत सिंह राठौर तथा महाप्रबंधक (गन्ना) विकास पुंडीर ने बताया कि शनिवार को 6 करोड़ 6 लाख 47 हजार रूपये का गन्ना मूल्य भुगतान सहकारी समितियों नजीबाबाद तथा बिजनौर के माध्यम से किसानों के खातों में भिजवा दिया गया है। यह भुगतान 4 और 5 नवंबर को खरीदे गये गन्ने का है। इससे पहले बुधवार को मिल ने 7 करोड़ 5 लाख 40 हजार रूपये का गन्ना भुगतान किया था। मिल पिछले सत्र के परामर्शित मूल्य (एसएपी) की दर से 5 नवंबर तक खरीदे गये गन्ने का भुगतान किसानों को कर चुकी है। किसानों ने बेहद तीव्र गति से भुगतान कर रहे बरकातपुर मिल प्रशासन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। उल्लेखनीय है कि बरकातपुर मिल प्रशासन ने एक नवंबर को पेराई शुरू की थी, जहां जनपद की 8 चीनी मिलों ने अभी पेराई शुरू भी नहीं की है, वहीं बरकातपुर चीनी मिल दो बार गन्ना मूल्य भुगतान कर चुकी है। मिल के पेराई सत्र के उद्घाटन के अवसर पर ही संयुक्त अध्यक्ष नरपत सिंह राठौर ने कहा था कि किसानों को दीपावली से पहले भुगतान कर दीपावली का तोहफा दिया जायेगा।



श्री नरपत सिंह राठौर

ट्रैक्टर-ट्राले ने टक्कर मार, घायल कर दिया कार सवार

नांगल सोती (चिंगारी)। शनिवार की रात्रि लगभग साढ़े आठ बजे नांगल-मंडावली मार्ग पर ग्राम अभिपुरा तथा जालपुर के बीच मंडावली की ओर से आ रहे रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्राले ने नांगल की ओर से जा रही वैगन आर कार में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में वैगन आर चालक मयंक (26 वर्ष) पुत्र नौबहार सिंह निवासी ग्राम जटपुरा बोंडा थाना मंडावली गम्भीर रूप से घायल हो गया, वह कार में फंस गया था। उसे कार से निकालकर प्राइवेट एम्बुलेंस द्वारा मंडावली के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार कराकर उसके परिजन उसे समुचित उपचार हेतु बिजनौर लेकर गये। उसके कूल्हे में गंभीर चोट लगी है। जबकि वैगन आर कार स्वामी संदीप निवासी ग्राम कल्लरवाली थाना मंडावली को मामूली चोट आई। अन्य दो सवारों को चोट नहीं आई। बताया जाता है कि कार सवार अभिपुरा के ढाबे पर खाना खाकर वापस जा रहे थे।

मदरसा मज़हरूल उलूम में हुई जमीयत की अहम मीटिंग

'सद्भावना मंच' प्रोग्राम होगा

कासमपुर गढ़ी (चिंगारी)। मदरसा मज़हरूल उलूम अल मोहम्मदिया मोहल्ला अफगानान कासमपुर गढ़ी में जमीयत उलेमा हलका कासमपुर गढ़ी की एक खुसूसी मिटिंग शहर इमाम रेहड़ मौलाना यूनुस की सदारत व सीनियर उर्दू सहाफी डॉ. अल्ताफ हुसैन साबरी की निजामत में मुनअकिद हुई, जिसका आगाज कारी मौ. आरिफ की तिलावत-ए-कुरआन से हुआ। मौलाना इरफान कासमी व कारी अब्दुल हलीम मीटिंग में बतौर मेहमान-ए-खास मौजूद रहे। मीटिंग में इस्लाह-ए-मुआशरा व दर्स-ए-कुरआन समेत कई खास पहलुओं पर गौर-ओ-फिक्र हुआ और इलाके में जल्द ही 'सद्भावना मंच' नाम से एक प्रोग्राम के इनअकाद पर भी राय बनी, जिसका कन्वीनर मदरसा तहफीजुल कुरआन बस स्टैंड गढ़ी के मुदर्रिस मौलाना मौ. आजम को बनाया गया। मीटिंग में मौलाना शकील, कारी फैजुल हसन, कारी इकरार, कारी जावेद इकबाल, कारी उस्मान, कारी इमरानुल हक, मौलाना आफताब व मुफ्ती जुबेर वगैरा की मौजूदगी काबिल-ए-गौर रही।


जमीयत की बैठक को खिताब करते मौलाना यूनुस कासमी।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत, गांव में शोक

खासपुरा (चिंगारी)। रविवार को सुबह दिवाली के दिन बिजनौर-नूरपुर रोड पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 19 वर्षीय सोमवीर पुत्र रामावतार, निवासी सेलपुरा-बमनोला के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि सोमवीर किसी काम से बाइक से बाहर आया था। खासपुरा और पैजनिया के बीच नूरपुर से बिजनौर की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सोमवीर पांच भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह गुजरात में बेकरी का काम करता था और मेहनत-मजदूरी करके अपना और परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके पिता भी मजदूर हैं। बताया जा रहा है कि वह पिछले महीने की 28 तारीख को दिवाली मनाने के लिए घर आया था। दिवाली का कुछ सामान लेने के लिए वह गांव से बाहर गया था, तभी यह हादसा हो गया।

हादसे की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा हुआ है। सूचना मिलते ही पैजनिया चौकी इंचार्ज गौरव तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रक सहित चालक को कब्जे में लेकर गिरफ्तार कर लिया है। ट्रक को हल्दौर थाने में खड़ा कराया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया गया है। पुलिस मामले में विधिक कार्यवाही कर रही है।

ग्राम प्रधान रामकुमार ने घटना पर दुःख जताते हुए बताया कि इस दुःख की घड़ी में पूरा गांव पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। सोमवीर बहुत ही होनहार और मेहनती लड़का था। सोमवीर की मौत के बाद गांव में किसी के घर भी दीप नहीं जले। पूरा गांव शोक में है और इस बार गांव में दिवाली भी नहीं मनाई गई।

चिल्ड्रन्स एकेडमी में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया

नूरपुर (चिंगारी)। यहां मुरादाबाद रोड स्थित चिल्ड्रन्स एकेडमी में दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा एक से 12 तक के विद्यार्थियों ने अंतरसदनीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान संयुक्त रूप से अरावली व विंध्याचल हाउस, द्वितीय स्थान नीलगिरी हाउस, तृतीय स्थान शिवालिक हाउस ने प्राप्त किया।

अरावली हाउस से तरुणी चौधरी, अंश चौधरी, साक्षी पाल, दिव्यांशी, कनिष्क राठी, वर्तिका सिंह, शिल्पी, आराध्या चौधरी, मुदित, तस्मिया, यक्षी व सिद्धि आदि प्रतिभागी रहे।

शिवालिक हाउस से पारस, रिद्धि, परिधि, तेजस्वी, शौर्य, दीपांशु, मनिका, कनिष्का, अवनी, रितिका, माही, मिस्टी, दिव्या, अदीबा, जीनत, अक्सा व पल्लवी ने प्रतिभाग किया।



नीलगिरी हाउस से वर्णिका, निशान्त, रिया सेहल, दिशिका, रिया यादव, राजश्री, जिज्ञासा, सोजस्वनी, सुरभि रिया, ट्विंकल, रियांश व गर्वित ने प्रतिभाग किया।

विंध्याचल हाउस से वंशिका, मनस्वी, शशांक, मानवी, दिव्यांशी, सिद्रा, लविश, महक, अक्षिता, आराध्या, एंजिल, स्वलेहा व आरव ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल में विद्यालय के मैनेजर डॉ. प्राज्ञ गोयल, प्रधानाचार्य अश्वनी शर्मा, एक्टिविटी इंचार्ज रचना यादव, शिवम त्यागी रहे।

यूसुफ कुरैशी ने कराया दिवाली मिलन कार्यक्रम

कासमपुर गढ़ी (चिंगारी)। भाकियू (टिकैत) के जिला सचिव यूसुफ कुरैशी ने बादीगढ़ चौराहे पर दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें संगठन के तहसील संरक्षक डॉ. राजपाल सिंह बतौर चीफ गेस्ट मौजूद रहे। कार्यक्रम में यूनियन के जिला संगठन मंत्री देवेंद्र कौशिक के जन्मदिन की खुशियां भी साझा की गईं। उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम संयोजक किसान नेता युसूफ कुरैशी ने कहा कि समाज में व्याप्त बुराइयां रूपी अंधकार का खात्मा होते हुए तरक्की, खुशहाली और अम्न-सुकून का उजाला हो, रोशनी के इस पर्व पर हम यही कामना करते हैं। कार्यक्रम में बाबू सिंह, छत्रपाल सिंह, अशरफ अली, शरीफ प्रधान, शराफत अली, रईस अहमद, शमीम शाह व टिकेंद्र कौशिक आदि की मौजूदगी रही।


दिवाली मिलन कार्यक्रम में उपस्थित किसान।

धारा मोटर फ़ाईनेन्स लिमिटेड
सरकारी एवं प्राइवेट कर्मचारियों के लिए
विशेष लोन सुविधा
Salaried Loan
अब खास आपके लिए
लोन लेना हुआ और भी आसान
अब आप घर बैठे ही अपने मोबाइल से Instant Salaried Loan के लिए Apply कर सकते हैं।
कृपया दिए गए QR कोड को स्कैन करें या हमारी वेबसाइट www.dharamotor.com पर क्लिक करें और मोबाइल एप्लिकेशन इंस्टॉल करें और अपने सैलरी लोन के लिए आज ही आवेदन करें।
हमारा सैलरी लोन क्यों चुनें?
• तेज़ और आसान प्रक्रिया
• न्यूनतम दस्तावेज़
• आकर्षक ब्याज दर
• आसान EMI सुविधा
• शीघ्र लोन अप्रूवल और डिस्बर्समेंट
पात्रता (Eligibility)
• सरकारी कर्मचारी
• प्राइवेट सेक्टर कर्मचारी
• नियमित मासिक आय वाले व्यक्ति
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
पंजीकृत कार्यालय : धारा कॉम्प्लेक्स, सिविल लाइन्स-1, बिजनौर-246701
दूरभाष : 01342-262561, 6396752764, 7060210125
Corporate Office (Delhi) : K-814, Noratan Building, Mata Chowk Basant Kunj Road, Mahipalpur, New Delhi. Ph.: 011-41662561
www.dharamotor.com dmf_bijnor@yahoo.com

गुडविल एकेडमी में हुई रंगोली प्रतियोगिता

शेरकोट (चिंगारी)। नगर के एस.एम. गुडविल एकेडमी में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंग बिरंगी रंगों से आकर्षक रंगोलियां सजाईं।

दीपावली पर्व के उपलक्ष पर आयोजित की गई रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा आकर्षक रंगों से तैयार की गई रंगोलियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लिया। येलो हाउस की टीम ने सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ब्लू हाउस दूसरे और रेड हाउस व ग्रीन हाउस संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में अक्षी चौहान, मोनी सैनी, उमर परवीन, सफिया, महक, सोनी अग्रवाल, महिमा, रेखा एवं तनु चौहान शामिल रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नवनीत शर्मा ने बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और आपसी सहयोग की भावना विकसित करती हैं। प्रबंधक अंकुर जैन एवं अनामिका जैन ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया।



माहे से टकराने से बाइक सवार महिला की मौत, पति घायल



किरतपुर (चिंगारी)। ग्राम चिड़ियापुर के पास सड़क पार कर रहे माहे से बाइक टकराने पर बाइक पर सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। कल दोपहर गांव आजमपुर उर्फ खानपुर निवासी राजवीर सिंह अपनी पत्नी ज्योति (37) के साथ बाइक से बिजनौर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक ग्राम चिड़ियापुर के पास सड़क पर पहुंची अचानक सड़क पार कर रहे माहे से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार पति-पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल अस्पताल बिजनौर में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने ज्योति को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजवीर सिंह का उपचार चल रहा है। थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौड़ ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बढ़ापुर में जमकर हुई आतिशबाजी

बढ़ापुर (चिंगारी)। रोशनी का पर्व दीपावली नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में। बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। देर रात तक आतिशबाजी होती रही। दीपावली के अवसर पर नगर में बाजारों में काफी रौनक दिखाई दी। लोगों ने जमकर मिठाइयां व आतिशबाजी खरीदी। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में लोगों ने अपने प्रतिष्ठान एवं आवासों को दुल्हन की तरह सजाए रखा। इस मौके पर पुलिस शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाजार एवं भीड़ वाले क्षेत्र में लगातार गश्त करती रही।

शहीदों के नाम जलाया एक दीपक



चांदपुर (चिंगारी)। दीपावली पर्व पर नगर में बिजनौर रोड स्थित शहीद भगत सिंह स्मारक पर एक दीपक शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों ने दीपक जलाकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर शहीद भगत सिंह स्मारक व शिव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मुनेश कुमार, महात्मा विदुर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन बिजनौर के अध्यक्ष अरविन्द लाम्बा, मुकेश यादव, भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष चौधरी सुधीन्द्र सिंह, कमल कुमार, सुभाषचंद्र वर्मा, कुमार सेन गौतम, आशू गोयल ने दीपक जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

श्रीजी के चरणों में समर्पित किया निर्वाण लड्डू

किरतपुर (चिंगारी)। तीर्थंकर 1008 श्री महावीर स्वामी जी का 2553 वां निर्वाण कल्याणक, (मोक्ष) तीनों जैन मंदिरों में उत्साह पूर्वक विधि विधान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में सर्वप्रथम श्री जी का जलाभिषेक किया गया, उसके पश्चात नित्य पूजन के बाद श्री महावीर जी की विशेष पूजा के बाद महावीराष्टक के पाठ के बाद निर्वाण कांड पढ़कर निर्वाण लाडू श्री जी के चरणों में समर्पित किया गया। आज के दिन से ही जैन नववर्ष प्रारंभ होता है तथा जैन साधु एवं साध्वियों का चातुर्मास सम्पन्न होता है। अनिल जैन, संजय जैन सीमेंट वाले, सुनील जैन, यतेंद्र जैन, अविनाश जैन, प्रदीप जैन, विपिन जैन, पारस जैन, संजय जैन सर्राफ, नीरज जैन, गौरव जैन, अभिषेक जैन, आकाश जैन, अरिहंत जैन, आशीष जैन, अरविंद जैन, सुनीत जैन, दीपक जैन, रोहित जैन, कमल जैन, स्मित जैन, सविता जैन, मंजू जैन, बबीता जैन, शालिनी जैन, नीलम जैन, साक्षी जैन, आकांक्षा जैन, प्राची जैन, नंदिता जैन, पूर्वी जैन, प्रतीक्षा जैन, नैंसी जैन, दीप्ति जैन, शशि जैन, अंजली जैन, कुमकुम जैन, सोनल जैन, प्रियंका जैन सहित समाज के सभी भक्तों ने उपस्थित रहकर पंडित कमल कुमार के सानिध्य में रहकर निर्वाण लाडू समर्पित किया।





हर्षोल्लास से दीपावली मनाई, देर रात तक पटाखों की गूंज दी सुनाई

अफजलगढ़ (चिंगारी)। दीपावली के अवसर पर नगर के घरों, प्रतिष्ठानों और बाजारों को रंग-बिरंगी विद्युत झालरों तथा दीपों से सजाया गया। शाम होते ही पूरा नगर रोशनी से जगमगा उठा। घरों में महिलाओं और बच्चों ने आकर्षक रंगोली बनाकर दीपावली की खुशियों में चार चांद लगाए। शाम के समय लोगों ने विधि-विधान के साथ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद घरों और प्रतिष्ठानों पर दीप जलाए गए। वहीं बच्चों और युवाओं में आतिशबाजी को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। देर रात तक पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। दीपावली को लेकर बाजारों में भी दिनभर रौनक बनी रही। लोगों ने मिठाइयों, खील-बताशे, पूजन सामग्री और सजावटी सामान की जमकर खरीदारी की। नगर के बस स्टैंड, मोहल्ला किला, ढाली बाजार, पीएनबी रोड और होली चौक सहित प्रमुख बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली। खरीदारों की अधिक संख्या के चलते कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। इस मौके पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया।



कार्यालयः नगर पालिका परिषद् हल्दौर जनपद-बिजनौर।

पत्रांकः/ 1704 /न0पा0प0ह0/2026-27, दिनांकः 05 नवम्बर, 2026

-:: सार्वजनिक सूचना ::-

-:: नोटिस अन्तर्गत धारा 143 (1), 147 (2) उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम 1916 ::-

एदत्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सम्पत्तिओं का नामान्तरण हेतु रजिस्टर्ड बैनामा/रजिस्टर्ड वसीयतनामा/वारिसान प्रमाण-पत्र/मृत्यु प्रमाण-पत्र/शपथ-पत्र व अन्य विधिक साक्ष्यों सहित आवेदन पत्र दिये गये है। नगरपालिका के गृहकर अभिलेखों में उक्त सम्पत्तिओं के संबंध में नया नाम दर्ज होना है, जिनका विवरण इस प्रकार हैः-

क्र. सं.	सम्पत्ति का पता	केता का नाम व पता	विकेता का नाम व पता	नामान्तरण का आधार	क्षेत्रफल	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7
1.	मौ0 चौधरियान	श्रीमती प्रियंका राजपूत पत्नी श्री अमित कुमार, नि0 मौ0 रईसान, हल्दौर (बिजनौर)।	श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री फूल सिंह, नि0 मौ0 रईसान, हल्दौर (बिजनौर)।	पंजीकृत बैनाम दि0 14.09.2023	41.94 वर्ग मी0	नया नाम
2.	मौ0 हलवाईयान	श्रीमती अन्जू चौधरी पत्नी श्री संजय सिंह व श्री अभिषेक चौधरी पुत्र श्री संजय सिंह, नि0 ग्रा0 बल्दिया, जनपद-बिजनौर।	श्री खुर्शीद अहमद पुत्र स्व0 अल्लादिया अन्जुम, नि0 मौ0 खेड़ा, हल्दौर (बिजनौर)।	पंजीकृत बैनाम दि0 27.09.2025	16.49 वर्ग मी0	नया नाम
3.	मौ0 हरवंशगंज	श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह, नि0 ग्रा0 बल्दिया, जनपद-बिजनौर।	श्री नवनीत कुमार पुत्र स्व0 रामपाल सिंह एवं श्री गौरव कुमार पुत्र श्री नरेश कुमार, नि0 मौ0 रईसान, हल्दौर (बिजनौर)।	पंजीकृत बैनाम दि0 27.01.2012	10.68 वर्ग मी0	नया नाम

अतः उपरोक्त सम्पत्ति पर कॉलम संख्या-03 में अंकित नाम को निकाय के गृहकर अभिलेखों में दर्ज करने में यदि किसी को कोई दावा/आपत्ति हो तो निकाय कार्यालय में अपनी आपत्ति मय अभिलेखीय साक्ष्यों सहित प्रस्तुत करने के लिए उक्त धाराओं के अन्तर्गत एक माह (30 दिन) का समय दिया जाता है। निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त किसी भी दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा तथा उक्त सम्पत्ति पर स्वामित्व के रूप में आवेदक/आवेदिका का नया नाम नगर पालिका परिषद हल्दौर (बिजनौर) के गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

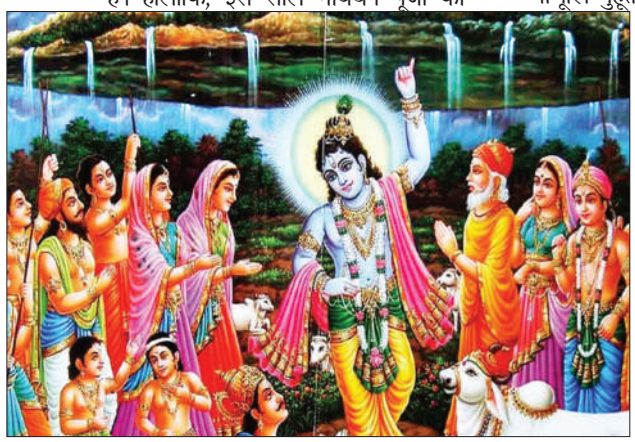
अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद् हल्दौर (बिजनौर)

कृष्ण भक्ति का पर्व है गोवर्धन पूजा



दिवाली के बाद कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा पर उत्तर भारत में मनाया जाने वाला गोवर्धन पूजा पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसमें हिन्दू धर्मावलंबी घर के आंगन में गाय के गोबर से गोवर्धन नाथ जी की अल्पना बनाकर उनका पूजन करते हैं। तत्पश्चात ब्रज के साक्षात देवता माने जाने वाले गिरिराज भगवान (पर्वत) को प्रसन्न करने के लिए उन्हें अन्नकूट का भोग लगाया जाता है।

यह परंपरा द्वापर युग से चली आ रही है। उससे पूर्व ब्रज में भी इंद्र की पूजा की जाती थी, मगर भगवान कृष्ण ने यह तर्क देते हुए कि इंद्र से कोई लाभ नहीं प्राप्त होता, जबकि गोवर्धन पर्वत गौधन का संवर्धन एवं संरक्षण करता है, जिससे पर्यावरण भी शुद्ध होता है। इसलिए इंद्र की नहीं गोवर्धन की पूजा की जानी चाहिए। हालांकि, इसके बाद इंद्र ने ब्रजवासियों को भारी वर्षा के द्वारा डराने का प्रयास किया, लेकिन ब्रजवासी भगवान कृष्ण का आसरा पाकर अपने निर्णय पर अडिग रहे। उन्होंने अपना विचार नहीं बदला और इंद्र के बजाए गोवर्धन की पूजा शुरू कर दी। बिहारी ने बताया कि श्रीमद्भागवत में उन्होंने इस बारे में कई स्थानों पर स्पष्ट उल्लेख किया है। कृष्ण ने दाऊ को संबोधित कर स्पष्ट कहा है कि गोवर्धन उनके गौ-धन की रक्षा करते हैं। वृक्ष देते हैं और ऐसे में हमें उनका पूजन-वंदन करना चाहिए, वह हमारी प्रकृति की रक्षा करते हैं। इस प्रकार भगवान कृष्ण ने ब्रज में इंद्र की पूजा के स्थान पर कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के दिन गोवर्धन पूजा की परंपरा प्रारंभ कर दी। ब्रज में स्थित द्वापरकालीन पहाड़ियों, पर्यावरण एवं यमुना की रक्षा के लिए संघर्षरत जयकृष्ण दास ने इस संबंध में बताया कि कृष्ण, पर्यावरण के सबसे बड़े संरक्षक थे। इंद्र के मान-मर्दन के पीछे उनका यही उद्देश्य था कि ब्रजवासी गौ-धन एवं पर्यावरण के महत्व को समझें और उनकी रक्षा करें। गोवर्धन के दानधाटी मंदिर के दानबिहारी कौशिक ने बताया कि इस मौके पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु गिरिराज परिक्रमा के लिए आते हैं, जिनमें विदेशी गिरिराज भक्तों की संख्या भी बड़ी तादाद में रहती है।



गोवर्धन पूजा को लेकर दूर करें कन्फ्यूजन

दिवाली के बाद हर साल गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण, गोवर्धन पर्वत और गौ माता की पूजा करने की परंपरा है। हालांकि, इस साल गोवर्धन पूजा की तारीख को लेकर लोगों के बीच असमंजस बना हुआ है। कोई 9 नवंबर को, तो कोई 10 नवंबर को इस पर्व को मनाने की बात कर रहा है। ऐसे में सवाल है कि आखिर गोवर्धन पूजा किस दिन मनाई जाएगी ? गोवर्धन पूजा की सही तारीख, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि, जरूरी सामग्री, इस पर्व का धार्मिक महत्व।

गोवर्धन पूजा 2026 शुभ मुहूर्त

गोवर्धन पूजा के दिन सुबह के समय पूजा करना शुभ माना जाता है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लिए उपलब्ध पंचांग के अनुसार संभावित मुहूर्त इस प्रकार है-

प्रतिपदा तिथि की शुरुआत- आज 9 नवंबर, दोपहर 12:31 बजे
प्रतिपदा तिथि समाप्त- 10 नवंबर, दोपहर 2 बजे
प्रात:काल पूजा का मुहूर्त- सुबह 6:40 बजे से 8:50 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:43 बजे से दोपहर 12:26 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त- शाम 5:30 बजे से 5:56 बजे तक

इस साल गोवर्धन पूजा की तारीख को लेकर लोगों के बीच असमंजस है। इसकी वजह कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का दो दिनों में पड़ना है। हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रतिपदा तिथि आज 9 नवंबर को शुरू होकर 10 नवंबर को समाप्त होगी। उत्तर भारत में उदया तिथि को महत्व देने वाली परंपरा के अनुसार गोवर्धन पूजा 10 नवंबर 2026, मंगलवार को मनाई जाएगी।

गोवर्धन पूजा क्यों मनाई जाती है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गोवर्धन पूजा का संबंध भगवान श्रीकृष्ण की उस लीला से है, जिसमें उन्होंने ब्रजवासियों को देवराज इंद्र के प्रकोप से बचाया था। पौराणिक कथा के अनुसार, गोकुल और ब्रज के लोग अच्छी बारिश और सुख-समृद्धि के लिए भगवान इंद्र की पूजा करते थे। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें समझाया कि गोवर्धन पर्वत, प्रकृति और गौ माता का उनके जीवन में विशेष योगदान है। इसलिए उन्हें गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। इस बात से देवराज इंद्र नाराज हो गए और उन्होंने ब्रज में मूसलाधार बारिश शुरू कर दी। लगातार बारिश से लोगों और पशुओं की जान पर संकट आ गया। तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी ब्रजवासियों को उसके नीचे शरण दी।

श्री अन्नकूट एवं गोवर्धन पर्व

प्रकृति, पुरुषार्थ और लोकमंगल का शाश्वत दर्शन



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वाह नहीं, अपितु जीवन के गूढ़ सिद्धांतों, सामाजिक उत्तरदायित्वों और प्रकृति के साथ मानवीय संबंधों की अभिव्यक्ति हैं। श्री अन्नकूट एवं गोवर्धन पर्व इसी समन्वित जीवन-दृष्टि का अनुपम उदाहरण है। यह पर्व अन्न, प्रकृति, गौ, पर्यावरण, श्रम, सामूहिकता और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का ऐसा संदेश देता है, जिसकी प्रासंगिकता प्रत्येक युग में बनी रहती है।

श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित गोवर्धन-लीला के अनुसार, श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इन्द्र-पूजा के स्थान पर अपने जीवन के वास्तविक आधार- गौ, गोवर्धन, वन, कृषि और कर्म- के प्रति सम्मान व्यक्त करने की प्रेरणा दी। इन्द्र के प्रकोप से ब्रज की रक्षा हेतु गोवर्धन धारण करने का प्रसंग इस पर्व का पौराणिक आधार है। कथा का मूल संदेश किसी एक देव-पूजा की श्रेष्ठता तक सीमित नहीं, बल्कि अहंकार के स्थान पर विवेक, भय के स्थान पर विश्वास और शक्ति के स्थान पर संरक्षण की प्रतिष्ठा है। अन्नकूट अन्न को ईश्वर का प्रसाद मानने और सृष्टि के प्रत्येक जीवनदायी तत्व के प्रति कृतज्ञ होने का पर्व है। अनेक प्रकार के अन्न, 56 भोगों एवं व्यंजनों का सामूहिक भोग समर्पण, सेवा, दान और साझेदारी का प्रतीक है। गोवर्धन का स्वरूप हमें यह अनुभूति कराता है कि ईश्वर की उपासना केवल मंदिरों और अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि उसके द्वारा प्रदत्त सृष्टि के सम्मान और संरक्षण में भी निहित है।

यह पर्व जीवन के परस्पर निर्भर पारिस्थितिक तंत्र की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वर्षा, जल, मिट्टी, पर्वत, वनस्पति, पशुधन और कृषि एक-दूसरे के पूरक हैं। इनमें से किसी एक का असंतुलन संपूर्ण जीवन-व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। गोवर्धन-पूजा को आधुनिक पर्यावरणीय दृष्टि से जैव-विविधता, प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय पारिस्थितिकी के संरक्षण के प्रति सांस्कृतिक चेतना के रूप में समझा जा सकता है। यह कथा का समकालीन वैज्ञानिक भावार्थ है, न कि आधुनिक विज्ञान का शास्त्रीय प्रमाण। गोवर्धन-लीला हमें अंधानुकरण के स्थान पर प्रश्न करने, परिस्थितियों को समझने और विवेकपूर्ण निर्णय लेने की प्रेरणा देती है। श्रीकृष्ण का संदेश कर्म और जीवन के प्रत्यक्ष आधारों की महत्ता स्थापित करता है। यह विचारधारा बताती है कि श्रद्धा और विवेक परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

इन्द्र का अहंकार नीतिगत और सामाजिक दृष्टि से सत्ता और सामर्थ्य के दुरुपयोग का प्रतीक है, जबकि श्रीकृष्ण द्वारा ब्रजवासियों को दिया गया आश्रय नेतृत्व के वास्तविक स्वरूप को परिभाषित करता है। सच्ची शक्ति वही है जो निर्बल की रक्षा करे, संकट में साथ खड़ी हो और समष्टि के कल्याण के लिए समर्पित रहे। ब्रजवासियों की एकजुटता, सामाजिक सहयोग, सामूहिक उत्तरदायित्व और परस्पर विश्वास का आदर्श प्रस्तुत करती है। आज के संदर्भ में अन्नकूट का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। खाद्य पदार्थों का अपव्यय रोकना, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना, पशुधन के प्रति संवेदनशील रहना, कृषक और श्रमिक के योगदान का सम्मान करना तथा समाज में सहयोग की भावना विकसित करना ही इस पर्व की वास्तविक सार्थकता है।



अंतत: अन्नकूट केवल अन्न का पर्वत सजाने और भोग अर्पित करने का उत्सव नहीं, बल्कि कृतज्ञता को संस्कार, विवेक को आचरण, प्रकृति-संरक्षण को कर्तव्य और लोककल्याण को जीवन का उद्देश्य बनाने का पर्व है। इसका शाश्वत संदेश है-अन्न का सम्मान करें, प्रकृति का संरक्षण करें, श्रम की प्रतिष्ठा करें, अहंकार का त्याग करें और समस्त सृष्टि के कल्याण में अपनी भूमिका निभाएं। यही गोवर्धन-लीला का व्यापक जीवन-दर्शन और अन्नकूट की वास्तविक आध्यात्मिक उपलब्धि है।

-प्रकाश पंकज,
शिक्षक, हल्दौर



राशिफल

विमल जैन

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्

मंगलवार, 10 नवम्बर 2026

मेष- पारिवारिक उलझनें, आर्थिक व्यावसायिक हानि, नवीन समस्याएं प्रभावी, जीवन साथी से असहयोग, मान-सम्मान में कमी, बातचीत के दौरान किसी से विवाद।

वृषभ- परिस्थितियां भाग्य के पक्ष में, आपसी वैमनस्यता का समापन, परिवार में मंगल आयोजन सम्पन्न, वैवाहिक जीवन मधुर, धनागम भी, यश-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि।

मिथुन- भाग्योदय के नवीन आयाम, विवाद का निर्णय पक्ष में, भौतिक सुख के जरूरी साधन सुलभ, नवउत्तरदायित्व का निर्वाह, मेल-मिलाप की ओर रुझान।

कर्क- आर्थिक समस्या का निराकरण, विवाद के समापन हेतु सुपरिचितों से विचार-विमर्श, विशिष्टजनों से सम्पर्क का सुपरिणाम, बौद्धिक क्षमता का विकास।

सिंह- शारीरिक मानसिक कष्ट, नवसमस्याएं उपस्थित, पुरुषार्थ के प्रति अरुचि, दूसरों के चक्कर में नुकसान, बढ़ते हुए खर्च से परेशान, दुर्जनों से कष्ट, यात्रा दुखद।

कन्या- साहसिक प्रयास प्रगति पर, व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, यात्रा संतोषजनक, स्वयं का निर्णय हितकर, योजनानुसार कार्य बनने की ओर, पारिवारिक सौहार्द।

तुला- स्वास्थ्य अनुकूल, राजनैतिक पक्ष से लाभान्वित, विवादास्पद मसला सुलझने की ओर, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, अधूरे कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता।

वृश्चिक-मनोवांछित सफलता, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, पठन-पाठन की ओर रुचि, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, तनाव में कमी, आय के नवीन स्रोत उपस्थित, धर्म के प्रति आस्था।

धनु- दिन अशुभ, योजनापूर्ति में विलम्ब, प्रतिकूल घटनाओं से मानसिक अशांति, व्यवहार में लापरवाही से हानि, लक्ष्य के प्राप्ति हेतु चिन्ता, धन-सम्पत्ति हेतु विवाद।

मकर- बुद्धि-चातुर्य से संकल्प सिद्धि, पूँजी का प्रतिफल, आशानुकूल प्राप्त, व्यवसाय में विस्तार, भोग-विलासिता की ओर रुझान, कर्ज की निवृत्ति का प्रयास सार्थक।

कुम्भ- शुभ भावनाओं का उदय, कठिनाइयों का निराकरण, प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क, स्थान-परिवर्तन का कार्यक्रम, जनकल्याण की ओर रुझान, संत समागम।

मीन- बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता, आर्थिक व्यावसायिक पक्ष में उन्नति, जीवन साथी में सामंजस्य, शिक्षा प्रतियोगिता में अनुकूलता, राजकीय पक्ष से लाभान्वित।

**एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल,
वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन
भोजूबीर, वाराणसी-221002,
मो. : 09335414722**

भूल नहीं सकते नोटबंदी के वो दिन

कल 8 नवंबर को नोटबंदी की वर्षगांठ थी। ठीक 10 साल पहले 8 नवंबर 2016 की रात्रि 8 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को बंद करने का ऐलान किया था। जनता को आश्चर्यचकित कर देने वाले इस ऐलान को सुनकर कुछ देर के लिए तो तमाम लोगों के पैरों तले से जमीन खिसक गई थी। रात को इस ऐलान को सुनने के बाद जब 9 नवंबर का दिन निकला तो लोग बैंकों की तरफ दौड़ पड़े थे। काफी दिनों तक बैंकों में चली इस मारामारी के बीच तमाम हादसे भी सुनने/देखने और पढ़ने को मिले। बैंकों पर उस दौरान उमड़ी भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को कभी-कभी हल्का बल तक भी प्रयोग करना पड़ा था। आपाधापी के इस दौर में कमीशन खोरों और दलालों की भी काफी पौं-बारह रही थी। नोटबंदी के फैसले को लेकर सरकार का मानना था कि ऐसा करने से काले धन, नकली नोट और आतंकवाद की फंडिंग पर रोक लगेगी। जानकारी के मुताबिक उस समय 500 और 1000 के नोट कुल करंसी का लगभग 86 प्रतिशत थे। नोटबंदी के बाद स्थानीय बाजारों, बैंकों और एटीएम के बाहर लंबी-लंबी लाइनें देख उस समय तमाम लोगों को काफी परेशान हालत में देखा गया था। अफजलगढ़ क्षेत्र में भी किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों को शुरुआती दिनों में नकदी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ा था। शुरू के 15-20 दिन व्यापार पर काफी असर पड़ा था, जो धीरे-धीरे डिजिटल पेमेंट के बढ़ते गए चलन से सामान्य होता चला गया था। आज डिजिटल लेनदेन की यह स्थिति है कि शहर तो छोड़िए गांव-देहात तक के छोटे-छोटे दुकानदार, रेहड़ी ठेले वाले और इतना ही नहीं रिक्शा चालक भी फोन-पे, गूगल-पे से लेन-देन करने लगे हैं।



नोटबंदी के दौरान बैंक में लगी लंबी लाइन का फाइल फोटो।

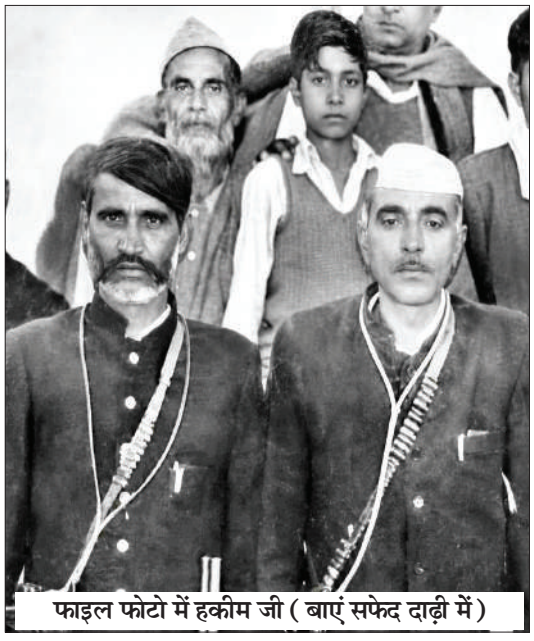
**प्रस्तुति : एसएम असलम
कासमपुर गढ़ी
मोबा.नं.- 9412824065**

नब्ज देखकर मर्ज पहचान लेते थे हकीम अब्दुल वाहिद खां

15 वर्षों तक ग्राम प्रधान रहे, ग़रीबों का मुफ्त इलाज कर इंसानियत की मिसाल कायम की

बिजनौर के ग्राम ऊमरी कलां की वह शख्सियत जिनकी पहचान आज भी 'हकीम जी वाली ऊमरी' के नाम से कायम है

बिजनौर (चिंगारी)। बिजनौर की धरती ने समय-समय पर ऐसी अनेक महान शख्सियतों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, सेवा सादगी और सामाजिक योगदान से न केवल अपने गांव और क्षेत्र बल्कि दूर-दराज के इलाकों तक अपनी पहचान बनाई। कुछ लोग अपने पद और प्रतिष्ठा से पहचाने जाते हैं, तो कुछ ऐसे भी होते हैं जिनकी पहचान उनके नेक कामों, इंसानियत और दूसरों के दुख-दर्द को समझने की क्षमता से बनती है। ऐसी ही एक असाधारण शख्सियत थे ग्राम ऊमरी कलां के मरहूम हकीम अब्दुल वाहिद खां जिन्हें लोग बड़े सम्मान से 'नब्जबाज हकीम' के नाम से याद करते हैं। उनके हाथों में यूनानी चिकित्सा का हुनर था, दिमाग में अद्भुत याददाश्त और दिल में ग़रीबों तथा जरूरतमंदों के लिए बेपनाह हमदर्दी। वे केवल एक चिकित्सक नहीं, बल्कि अपने समय के समाजसेवी जनप्रतिनिधि और दूरदर्शी ग्रामीण नेतृत्वकर्ता भी थे। आज भले ही हकीम साहब हमारे बीच मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व, सेवाभाव और चिकित्सा के किस्से आज भी ऊमरी कलां और आसपास के गांवों में बड़े सम्मान के साथ सुनाए जाते हैं।



फाइल फोटो में हकीम जी (बाएं सफेद दाढ़ी में)

उपलब्ध पारिवारिक और स्थानीय जानकारियों के अनुसार हकीम अब्दुल वाहिद खां साहब का जन्म सन् 1909 में बरुकी के निकट स्थित ग्राम ऊमरी कलां में हुआ था, उनका संबंध गांव के प्रतिष्ठित जमींदार अलैदाद खां के परिवार से था। उनके पिता का नाम जलालुद्दीन बताया जाता है। जिस दौर में ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और आधुनिक चिकित्सा की सुविधाएं सीमित हुआ करती थीं, उस समय हकीम साहब ने ज्ञान प्राप्त करने और चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने का रास्ता चुना। उनकी सबसे बड़ी विशेषताओं में एक उनकी असाधारण स्मरण शक्ति थी। तारीखों, ऐतिहासिक घटनाओं और पुराने प्रसंगों का उल्लेख वे इतनी सटीकता से करते थे, मानो उनके सामने कोई डायरी खुली रखी हो। इतिहास और पुरानी घटनाओं में उनकी गहरी रुचि थी। बातचीत के दौरान किसी घटना का वर्ष या तारीख पूछी जाती तो वे बिना किसी विशेष प्रयास के उसका उल्लेख कर देते थे।

हकीम अब्दुल वाहिद खां साहब को बचपन से ही चिकित्सा और जड़ी-बूटियों के ज्ञान में गहरी दिलचस्पी थी। उन्होंने यूनानी चिकित्सा पद्धति यानी 'तिब्बे यूनानी' का अध्ययन किया। चूंकि यूनानी चिकित्सा का बड़ा पारंपरिक साहित्य अरबी और फारसी भाषा में उपलब्ध रहा है, इसलिए इस चिकित्सा पद्धति को समझने के लिए उन्होंने संबंधित भाषाई और चिकित्सकीय ज्ञान भी अर्जित किया। उन्होंने हिकमत का अध्ययन किया और सहारनपुर से हिकमत का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। तिब्बे यूनानी एक प्राचीन चिकित्सा परंपरा है, जिसमें शरीर की प्रकृति, मिजाज, खानपान, वातावरण और विभिन्न शारीरिक लक्षणों के अध्ययन को महत्व दिया जाता है। इस पद्धति में नब्ज की जांच का भी विशेष स्थान रहा है।

हकीम साहब ने इस चिकित्सा पद्धति का गहन अध्ययन और वर्षों का व्यावहारिक अनुभव हासिल किया था। यही वजह थी कि आसपास के क्षेत्र में उनकी चिकित्सकीय समझ और नब्ज पहचानने की कला की चर्चा दूर-दूर तक होती थी। हकीम अब्दुल वाहिद खां साहब की सबसे बड़ी पहचान उनकी नब्ज पहचानने की अद्भुत कला थी। वे मरीज की नब्ज देखकर उसके शरीर की स्थिति और संभावित तकलीफों का अंदाजा लगाने की कोशिश करते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार उनकी इस विशेष योग्यता के कारण ही उन्हें 'नब्जबाज हकीम' कहा जाता था। उनके पास इलाज के लिए आने वाले लोगों का मानना था कि वे नब्ज की गति, उसकी प्रकृति और धड़कन में होने वाले बदलावों को बड़ी बारीकी से समझते थे।

उस दौर में गांवों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं थीं। ऐसे समय में हकीम साहब जैसे चिकित्सक ग्रामीण समाज के लिए बड़ी उम्मीद हुआ करते थे। उनकी चिकित्सा का एक और उल्लेखनीय पहलू था महिलाओं का पर्दे में रहकर इलाज करना। पुराने समय में ग्रामीण समाज में पर्दे की परंपरा का काफी पालन किया जाता था। महिलाएं किसी गैर-महरम पुरुष चिकित्सक के सामने सीधे नहीं आती थीं। ऐसे में जब किसी महिला को उपचार की आवश्यकता होती, तो वह पर्दे के पीछे बैठकर अपनी कलाई पर एक धागा बांधती और धागे का दूसरा सिरा हकीम साहब को पकड़ा दिया जाता था। वे उस धागे के माध्यम से नब्ज की धड़कन महसूस करने का प्रयास करते और मरीज की परेशानी के बारे में जानकारी लेकर उपचार बताते थे। यह उस समय के सामाजिक परिवेश और चिकित्सा व्यवस्था का एक अनूठा उदाहरण था।

15 साल तक ग्राम प्रधान भी रहे

हकीम अब्दुल वाहिद खां साहब का जीवन केवल चिकित्सा और समाजसेवा तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने ग्रामीण राजनीति और स्थानीय विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे ग्राम ऊमरी कलां के लगभग 15 वर्षों तक प्रधान रहे। इतने लंबे समय तक गांव की जनता का विश्वास प्राप्त करना अपने आप में एक बड़ी बात थी। इसके अतिरिक्त वे चार बार गन्ना समिति के डायरेक्टर भी रहे।

प्रस्तुति : तैय्यब अली

रंगोली सजाई, झालरें लगाईं, दीपावली धूमधाम से मनाई

धामपुर (चिंगारी)। दीपावली महापर्व कल नगर में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाम को परिवारों में मां लक्ष्मी और गणेश जी का वैदिक विधि विधान के साथ पूजन किया गया। महिलाओं ने घरों को सुंदर रंगोलियों से सजाया और बच्चों ने बिजली की झालरें, कंदील और दीप माला बनाकर घरों की सजावट की। दीपावली पर्व पर व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों को रंग बिरंगी झालकों से सजाया था।





दीपावली पर खरीदारी करते हुए नागरिक।

लगभग एक करोड रुपए की बिकी आतिशबाजी

पुलिस प्रशासन और अग्निशमन विभाग की ओर से के एम इंटर कॉलेज के मैदान में आतिशबाजी की दुकानें लगाने की परमिशन दी गई, जहां भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आतिशबाजी के लगभग स्टाल लगाए गए जिन पर धामपुर नगर व ग्रामीण क्षेत्र से पहुंचे युवकों ने आतिशबाजी की जमकर खरीदारी की। 20 और 30 आवाज के स्काई शॉट, रावण बम, बुलेट बम, अनार, बिजली बम, रॉकेट, सिंगल स्काई शॉट, अनार फुलझड़ी व अन्य सामानों की जमकर खरीदारी की गई। लगभग 2 तक आसमान जहां रंग बिरंगी रोशनी से सराबोर रहा वहीं तेज आवाज के पटाखों से वातावरण गूंजायमान रहा।

वाहनों की हुई जमकर खरीदारी

दीपावली के मौके पर दुपहिया वाहनों की खरीदारी की गई। हीरो होंडा, रॉयल एनफील्ड, स्कूटी और इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की लोगों ने जमकर खरीदारी की। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी लगभग तीन करोड रुपए के वाहनों की बिक्री की गई। इसके अलावा नगर के सर्राफा कारोबारियों की भी बल्ले बल्ले रही। दीपावली पर्व पर कोतवाली प्रभारी के निर्देशन में मेंन मार्केट में बैरियर लगाकर पुलिस बल तैनात रहा। चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहने से दीपावली का महापर्व शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

श्रीराम मंदिर आश्रम में भव्य दीपोत्सव मनाया

धामपुर (चिंगारी)। दीपावली के पावन पर्व पर मोहल्ला साहूवान स्थित श्रीराम मंदिर आश्रम में मानव सेवा विश्व कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा आश्रम दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम का स्मरण कर देश और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में श्रीराम मंदिर आश्रम के पीठाधीश्वर महंत राधेश्याम व्यास ने दीपावली पर्व के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि जीवन से अंधकार मिटाकर ज्ञान, सद्भाव, प्रेम और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाने का संदेश देती है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करना चाहिए। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक-एक दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव में सहभागिता की। दीपोत्सव कार्यक्रम में उड़ीसा से पहुंचे संजय कुमार एवं उनकी पत्नी प्रतिमा देवी के अलावा चांदपुर निवासी पीयूष कुमार शर्मा-रूपा देवी, सोनू शर्मा-राधा देवी, अशोक कुमार अग्रवाल, वीरेंद्र पुष्पक, मनोज कुमार, भूपेंद्र कुमार, पंडित सौरभ वशिष्ठ, पंडित शशिकांत वशिष्ठ और प्रमोद मिश्रा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।



महाराज से आशीर्वाद लेते हुए भक्त।

गड्ढे से बचने के प्रयास में कार बाइक से टकराई, दो युवकों के चोट आईं

धामपुर (चिंगारी)। जैतरा से शुगर मिल रोड पर सड़क पर बने गड्ढे से वाहन को बचाने के प्रयास में कार और बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार युवक घायल हो गए। उसे उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार कार सवार मौके पर कार को छोड़कर फरार हो गया। रविवार रात लगभग 9 बजे पुलिस को सूचना मिली कि धामपुर में गांव जैतरा से शुगर मिल रोड पर दुर्घटना हुई है। कोतवाल धामपुर धीरज सोलंकी ने बताया कि यहां एक गड्ढे से बचने के प्रयास में बाइक और कार की भिड़ंत हुई। बाइक पर धामपुर के पंजाबी कॉलोनी निवासी किशोर रबजोत पुत्र जसप्रीत, मोहल्ला दर्ज़ियांन निवासी 20 वर्षीय अयान पुत्र अब्दुल अज़ीज़ जा रहे थे। सूचना के बाद कोतवाल धामपुर तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। बाइक सवार रबजोत के फ़ैक्चर है और कान में भी गंभीर चोट आई है। अयान को भी चोटें हैं। कार सवार मौके पर कार को छोड़कर फरार हो गए।



घायल से जानकारी लेते हुए पुलिस अधिकारी।

गड्ढा बन रहा हादसों का सबब : गांव जैतरा में शुगर मिल रोड पर सड़क में मौजूद गड्ढा वहां अक्सर हादसों का सबब बन रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां आयेदिन इस गड्ढे के चलते दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

बन्दरों से लोग हो रहे परेशान समस्या का किया जाये समाधान

धामपुर/ जैतरा (चिंगारी)। ग्राम जैतरा स्थित लकड़ी मंडी में इन दिनों बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं। गांव में बंदरों का झुंड सुबह करीब 6 बजे से ही पहुंच जाता है और पूरे दिन तथा रात तक लोगों के लिए परेशानी का सबब बना रहता है। ग्रामीणों के अनुसार बंदर आए दिन लोगों के घरों, गलियों और रास्तों पर उत्पात मचाते रहते हैं। सबसे ज्यादा खतरा छोटे बच्चों को बना हुआ है। बंदरों के हमले में कई बच्चे घायल हो चुके हैं, जबकि कुछ बच्चों को बंदरों ने काटकर जख्मी कर दिया है। इस घटना के बाद से अभिभावकों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों के डर से बच्चों का घर से बाहर निकलना और गलियों में खेलना तक मुश्किल हो गया है। लोगों को हर समय इस बात का डर सताता रहता है कि कहीं बंदर किसी बच्चे या राहगीर पर हमला न कर दें। ग्रामवासियों ने वन विभाग एवं प्रदेश सरकार से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का तत्काल संज्ञान लिया जाए। बंदरों को पकड़कर सुरक्षित रूप से आबादी से दूर उचित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि ग्रामीणों और विशेषकर बच्चों को इस आतंक से राहत मिल सके।



भगवान श्री राम के भक्ति गीतों पर नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

धामपुर(चिंगारी)। दुर्गा पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में रोमियो डांस इंडिया डांस ग्रुप धामपुर की ओर से 'मेरे घर राम आए हैं' नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन कोरियोग्राफर रोमियो मयूर ने किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने भगवान श्रीराम के भक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं।

इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरदार सतवंत सिंह सलूजा, प्रदेश प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल एवं हरिराज सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष महाराणा प्रताप क्षत्रिय राजपूत सभा व कुंवर अनिल राजपूत रहे। प्रतियोगिता के निर्णायकों रोमियो मयूर एवं सोनू माइकल के अनुसार नृत्य प्रतियोगिता के जूनियर ग्रुप में विधि सैनी ने प्रथम, नैतिक सैनी ने द्वितीय तथा मोनिका ने तृतीय तथा सीनियर ग्रुप में इशु शर्मा ने प्रथम, रितिक चौधरी ने द्वितीय तथा प्रियांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम काव्यांश, द्वितीय शारिका, तृतीय राहियों अब्दुल्ला रहे। कार्यक्रम का संचालन सरदार मनजीत सिंह सलूजा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गरिमा भारद्वाज, अरुण शर्मा, गौरव कुमार, शिवांगी, अदिति शर्मा एवं सिमरन कौर सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कला एवं संस्कृति से जोड़कर बच्चों के भविष्य को संवारना है।



विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

दिवाली की रात, नगीना चौराहे पर युवकों ने मचाया उत्पात

दो युवक हिरासत में

धामपुर (चिंगारी)। रविवार को दीपावली की रात नगीना चौराहे पर शराब के नशे में धुत युवकों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। चौराहे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मजेदार बात यह है कि घटनास्थल से धामपुर कोतवाली और एसपी पूर्वी कार्यालय की दूरी भी अधिक नहीं है, इसके बावजूद युवकों में पुलिस और कानून का कोई खौफ नजर नहीं आया। आरोप है कि घटना के समय नगीना चौराहे पर कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। मारपीट की सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धीरज सोलंकी घटनास्थल पर पहुंचे और दो युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने एक बाइक भी कब्जे में ले ली। इस दौरान मौके पर मौजूद नागरिकों ने कोतवाली प्रभारी से चौराहे पर पुलिसकर्मियों की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठाए। इस पर प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि नगीना चौराहे पर पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है, लेकिन घटना के समय संबंधित पुलिसकर्मी कहां थे, इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं है।



पुलिस से बैखोफ झगड़ा करते युवक।

दीपों का पर्व धूमधाम से मनाया पूरा इलाका रोशनी से जगमगाया

शेरकोट (चिंगारी)। नगर व ग्रामीण क्षेत्र में रोशनी का महापर्व दीपावली हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया गया । इस मौके पर श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चना कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की, वहीं देर रात आतिशबाजी होने से पटाखों की आवाज गूंजती रही। रविवार को सुबह से ही क्षेत्र में चहल-पहल और उत्साह का माहौल नजर आया। लोगों द्वारा अपने घरों और प्रतिष्ठानों को भव्य व आकर्षक ढंग से सजाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शुभ मानकर सोने चांदी के गहनों, बर्तन, मिठाई ,इलेक्ट्रिक सामान,उपहार, कपड़ों व आतिशबाजी आदि ज़रूरी सामान की खूब खरीदारी की,जिससे दोपहर से बाजार में भारी भीड़ दिखाई दी। इस बार अधिकतर लोगों ने अपने घरों को चाइनीज इलेक्ट्रिक झालरों से सजाया, मिट्टी के दीपको व मोमबत्ती की बिक्री कम हुई। क्षेत्र में निरंतर विद्युत आपूर्ति होने से रात भर पूरा क्षेत्र रंग बिरंगी लाइटों से जगमगता रहा। सूर्यास्त होने पर लोगों ने घरों व देव स्थलो पर दीपक जलाए और घरों में लक्ष्मी पूजन कर सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। युवाओं और बच्चों ने आतिशबाजी की, जिससे देर रात तक आसमान में पटाखों की आवाज़ गूंजती रही। इस मौके पर मुस्लिमो ने हिंदू भाईयों को शुभकामनाएं दी, जबकि हिंदूओं ने मुस्लिम भाइयों को मिठाई व गिफ्ट देकर त्योहार की खुशियों में शामिल कर सौहार्द को मजबूत किया।

दीपावली पर मंदिर में आयोजित किया कार्यक्रम

कोटद्वार (चिंगारी)। दीपावली के अवसर पर ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजलि समागम समिति द्वारा शिव शक्ति दुर्गा मंदिर, पदमपुर मोटाढाक में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोगों से इको फ्रैंडली पटाखे जलाने की अपील की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर जनार्दन प्रसाद बुड़ाकोटी ने कहा कि सनातन धर्म में हमारे ऋषि-मुनियों एवं वैज्ञानिक मनीषियों ने प्रकृति और चारों ऋतुओं के परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए सामाजिक जीवन में उत्साह, उमंग, स्वास्थ्य एवं खुशहाली बनाए रखने के लिए विभिन्न त्योहारों की परंपराएं स्थापित कीं। दीपावली भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के उपरांत अयोध्या आगमन की स्मृति में प्रतिवर्ष मनाई जाती है। यह पर्व हमें सत्य, धर्म, मर्यादा और आदर्शों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मनमोहन काला ने कहा कि वर्षा ऋतु के पश्चात वातावरण में नमी के कारण कीटाणुओं एवं संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। दीपावली का पर्व हमें अपने घरों, आंगन और आसपास के परिवेश की स्वच्छत करने का विशेष अवसर प्रदान करता है। स्वच्छता, प्रकाश और सकारात्मक वातावरण स्वस्थ एवं सुखी जीवन के आधार हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल घरों को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर के अज्ञान, निराशा और नकारात्मकता को दूर करने का भी अवसर है।

इस अवसर पर समिति संस्थापक आर बी कंडवाल, दिनेश चौधरी, अनुराग कंडवाल, मनमोहन काला, सोम प्रभा कंडवाल, कमला नौटियाल, राम भरोषा कंडवाल और डॉ. रमाकांत कुकरेती सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

फोर व्हीलर की टक्कर से घायल बाइक सवार की मौत

हीमपुर दीपा (चिंगारी)। क्षेत्र में रविवार को हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक घायल युवक ने उपचार को ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। रविवार को ग्राम फुतल्लोपुर थाना किरतपुर निवासी संजू कुमार अपने चचेरे भाई ऋषभ पुत्र कुंवरपाल सिंह के साथ बाइक से बिजनौर से चांदपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक ग्राम रौनिया के समीप पहुंची अचानक अज्ञात फोर व्हीलर वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में संजू कुमार व उनके चचेरे भाई ऋषभ घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए विवेक अस्पताल बिजनौर पहुंचाया गया। जहां संजू कुमार की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेरठ ले जाया जा रहा था, इसी दौरान रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घरों को झालरों से सजाया, दीपों का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया

हीमपुर दीपा (चिंगारी)। क्षेत्र में दीपों का महापर्व दीपावली पारंपरिक श्रद्धा उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने अपने-अपने घरों को दीपक और बिजली की आकर्षक झालरों से सजाया। इस दौरान रतनपुर खुर्द गांव के मंडी स्थल पर आयोजित भव्य मेला आकर्षण का केंद्र रहा जिसमें भारी संख्या में भीड़ उमड पड़ी। क्षेत्र के रतनपुर खुर्द, हीमपुर दीपा, उलेढ़ा, रावटी, औंधा, मारूफपुर आदि गांवों के लोगों ने मेले में पहुंचकर वहां लगे स्टालों से अनार, बम, फुलझड़ी चकरी आदि की जमकर खरीदारी की। इसके अलावा मिठाई और बर्तनों की दुकानों पर भी चहल-पहल रही। त्योहार के मद्देनजर और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मेला परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा। थाना प्रभारी निरीक्षक हीमपुर दीपा रवि करण सिंह ने व्यवस्था का जायजा लेते हुए दुकानदारों को सुरक्षा संबंधी दिशा निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के चलते त्योहार और मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

गौरव सैनिकों ने मनाया युद्ध सम्मान दिवस

कोटद्वार (चिंगारी)। तीन पैरा स्पेशल फोर्सेज के गौरव सैनिकों की ओर से स्थानीय बारातघर के सभागार में शैलाटेंग युद्ध सम्मान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि 1971 युद्ध विजेता कैप्टन राम सिंह रावत ने शैलाटेंग ऑपरेशन के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे 7 नवंबर 1947 को हमारी बटालियन ने श्रीनगर हवाई पट्टी को बचाकर कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखा। मौके पर युवाओं को संदेश देते हुए कहा गया कि देश की आजादी और सुरक्षा में हमारे भारतीय सेना के सैनिकों ने जो बलिदान दिया है, उससे युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में गजराज सिंह नेगी, गोपाल सिंह नेगी, राकेश बलूनी, देवेंद्र डंगवाल, शिव सिंह रावत, चंद्रशेखर सिंह चौहान, पुष्कर सिंह रावत, प्रकाश सिंह, भूपेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह गुसाईं और विजेंद्र सिंह रावत सहित अन्य गौरव सैनिक उपस्थित रहे।

भर्ती अधियाचनों पर कार्रवाई करने की मांग

कोटद्वार (चिंगारी)। बीएड प्रशिक्षित युवा संघ के प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा सेवा चयन आयोग तथा उत्तराखंड लोक सेवा आयोग में प्राप्त भर्ती अधियाचनों पर शासन से अविलम्ब कार्रवाई करने मांग की है। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा वर्तमान में कई परीक्षाएं स्थगित की गई हैं, जिनमें कनिष्ठ सहायक, महिला पुरुष कांस्टेबल, फॉरेस्ट गार्ड व बंदी रक्षक आदि शामिल हैं। इन अधियाचनों पर शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं उन्होंने उच्च शिक्षा में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती में एपीआई पद्धति को समाप्त कर भर्ती लिखित परीक्षा के माध्यम से कराने की मांग भी की।

विभिन्न विषयों पर किया गौर संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

कोटद्वार (चिंगारी)। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति की आयोजित मासिक बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। स्थानीय बारातघर के सभागार में अध्यक्ष महेंद्रपाल सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पूर्व सैनिकों से जुड़े विभिन्न लंबित विषयों पर विस्तार से चर्चा करने के साथ ही समिति की सदस्यता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। संयोजक मेहरबान सिंह चौहान ने समिति का आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। मौके पर समिति सदस्यों व पदाधिकारियों ने पूर्व सैनिकों व क्षेत्रीय समस्याओं के हल के लिए क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों को सहयोग देने का निर्णय भी लिया। बैठक में कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बिष्ट, ताजवर सिंह, सुभाष कुकरेती, गोपाल सिंह, अनसूया प्रसाद सेमवाल, ठाकुर सिंह, भरत सिंह नेगी, रतन सिंह नेगी, अनसूया प्रसाद गोस्वामी, नंदन सिंह और मदन सिंह नेगी सहित समिति से जुड़े अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

आरआर पब्लिक स्कूल में हुई रंगोली प्रतियोगिता

नूरपुर (चिंगारी)। यहां स्योहारा रोड़ स्थित आर आर पब्लिक स्कूल में कक्षा 9 से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के बीच रंगोली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा प्राथमिक वर्ग में कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता व जूनियर वर्ग में दीया सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल में आयोजित रंगोली सजाओ प्रतियोगिता में कलाम हाउस ने प्रथम, टैगोर हाउस व टेरेसा हाउस ने संयुक्त रूप से द्वितीय व नानक हाऊस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में शामिल स्कूल की प्रबंधिका दीपा गुप्ता, उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह, रीता त्यागी, स्वाति यादव ने भूमिका, सार्थक, मयंक, भूमि, मणिकर्णिका, तनिक,मनुश्री कंधालिया, कंगन आदि छात्र-छात्राओं द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोली की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता ने सभी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।



रामगंगा प्रकाशन बिजनौर के लिए प्रकाशक, मुद्रक **सूर्यमणि रघुवंशी** ने रघुवंशी प्रिंटर्स, स्वप्न लोक, नई बस्ती बिजनौर में मुद्रित कराकर स्वप्न लोक, नई बस्ती, बिजनौर से प्रकाशित किया।
संस्थापक-**स्व. बाबू सिंह चौहान।**
सम्पादक-**सूर्यमणि रघुवंशी।**
आर. एन. आई. नं. 2417/57
डाक पंजीकरण संख्या- डी.एन./ यू.पी./ बी.जे.एन.-14/2025-27
E-Mail: dainikchingari@gmail.com

पूरा शहर रोशनी से जगमगाया दीपों का पर्व धूमधाम से मनाया



श्री अमित गोयल परिवार के साथ दीपावली पूजन करते हुए

चांदपुर (चिंगारी)। जगमगाते दीपों का त्यौहार दीपावली धूमधाम एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। दीपावली पर लोगों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। इस अवसर पर दुकानों, मकानों को रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया गया था, जिससे पूरा शहर रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने दीपावली पूजन किया तथा उसके बाद आतिशबाजी का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। बच्चों के साथ-साथ बड़ों ने भी आतिशबाजी का आनन्द लिया। इस बार दीपावली पर लोगों ने जमकर खरीदारी की, जिससे दुकानदारों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इससे पूर्व धनतेरस पर सोने -चांदी, वाहनों व बर्तनों आदि की रिकॉर्ड बिक्री हुई। दीपावली पर बाजार में जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने रिक्शा व अन्य चौपहिया वाहनों को ढाली बाजार की ओर नहीं जाने दिया, जिससे काफी राहत मिली। दीपावली पर मिठाई, सजावटी सामान और गिफ्ट आइटमों की दुकानों पर जबरदस्त भीड़ रही। लोगों ने



भाजपा नेत्री शक्ति भारद्वाज मित्तल ने अपने परिवार के साथ दीपावली पूजन किया।

एक-दूसरे को मिठाई व उपहार देकर दीपावली की खुशियों को साझा किया। दीपावली पर लक्ष्मी गणेश की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की गई।

नगीना में हर्षोल्लास से मनाया गया दीपावली का पर्व



नगीना (चिंगारी)। नगर एवं क्षेत्र में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही लोगों में त्यौहार को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। शाम होते ही घरों और प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद लोगों ने दीप जलाकर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूरा शहर रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक विद्युत सजावट से जगमगाता नजर आया। घरों के मुख्य द्वार पर महिलाओं और युवतियों ने सुंदर रंगोली सजाकर दीपावली की खुशियों में चार चांद लगा दिये। रात होते ही बच्चों और युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से नहा उठा। चारों ओर दीपावली की खुशियां और उत्साह देखने को मिला। लोगों ने परिवार और मित्रों के साथ मिलकर पर्व मनाया। देर रात तक नगर में दीपावली की रौनक बनी रही।

दिवाली के बाद दिल्ली पर प्रदूषण का 'ट्रिपल अटैक'

नई दिल्ली (एजेंसी/चिंगारी)। राजधानी में दिवाली के अगले दिन प्रदूषण का 'ट्रिपल अटैक' देखने को मिला। आज सुबह से दिल्ली पर घने कोहरे और धुंध की चादर छाई हुई है। वायु गुणवत्ता में तेज गिरावट आने के साथ कई इलाकों में एक्यूआई भी 400 से अधिक दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी के करीब है। दिल्ली के वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में आज सुबह वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई, जबकि शेष केंद्रों पर यह बेहद खराब श्रेणी में रही। रोहिणी में सबसे अधिक 475 एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) दर्ज किया गया, जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में यह 472 रहा। दिल्ली के बुराड़ी में 437, सोनिया विहार में 432, विवेक विहार में 432, जहांगीरपुरी में 426, रोहिणी में 425, बवाना में 424, मुंडका में 422, पंजाबी बाग में 413 आदि में एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। वहीं अनेक इलाकों में एक्यूआई 300 से अधिक है। मौसम विभाग के मुताबिक, हवा की रफ्तार शांत होने या कम होने से सफदरजंग में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर रह गई। रविवार को यहां विजिबिलिटी 700 मीटर थी। वहीं पालम में भी आज मध्यम कोहरा छाया हुआ है, जिससे विजिबिलिटी 400 मीटर रह गई। यह इस मौसम का पहला घना कोहरा है।

शुभम करोति कल्याणम आरोग्य धन संपदा / शत्रु बुद्धि विनाशाय दीप ज्योति नमोस्तुते।

जगमग दीपों के पावन पर्व दीपावली, भैयादूज, गंगा स्नान व गुरु नानक जयंती की सभी नगरवासियों, रोटेरियन व शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं



राजीव कुमार गुप्ता



सुनील कुमार गुप्ता

ATMA GAS & ISPAT KENDRA
ARG STEEL & GASES
LALA ATMA RAM GUPTA BHAWAN
Kalagarh Road Dhampur 246761 Distt. Bijnor (U.P.)
M.: 9412115576, 9897027176 Ph- 01344-231376
E-mail : atmagas@gmail.com, atmagas@rediffmail.com, argsteelgases@gmail.com



